शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 305 | गुवाहाटी | बुधवार, 5 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स 4389 अंक टूटकर 72,079 और निफ्टी ... पेज 2
नीतीश और चंद्रबाबू किसी के नहीं : कांग्रेस अध्यक्ष पेज 3
वाराणसी : हार के बाद बोले अजय राय सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी नैतिक जीत पेज 5
बजरंग पूनिया को राहत, एडीडीपी ने आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक... पेज 7

लोकसभा चुनाव में एनडीए को मिला भारी बहुमत

तीसरी बार लगातार, मोदी सरकार

हमारी जीत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीत के लिए देशवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बड़ा मंगल है। इस पावन दिन एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। हम सभी जनता जनार्दन के बहुत आभारी हैं। देशवासियों ने भाजपा पर एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ सबका विकास के मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ देशवासियों की जीत है। मोदी ने कहा कि इस जनादेश के कई पहलू हैं। 1962 के बाद यह पहली बार है कि कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है। उन्होंने ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में कांग्रेस का सफाया हो गया है। भाजपा ओडिशा में सरकार बनाने जा रही है। केरल में भी भाजपा ने एक सीट जीती है, केरल में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान दिया है। विपक्षी इंडी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए

मोदी ने कहा कि हमारे विरोधी एकजुट होकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा ने जीती है। प्रधानमंत्री ने कुशलता के साथ चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मैं इतने बड़े पैमाने पर चुनाव प्रक्रिया आयोजित करने के लिए भारत के चुनाव आयोग को भी धन्यवाद देता हूं। भारत की चुनाव प्रक्रिया और प्रणाली की विश्वसनीयता पर हर भारतीय को गर्व है। मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं ने इस चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग कर अभूतपूर्व उत्साह -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर : 25 में से 13 सीटों पर भाजपा की बढ़त

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्यों में लोकसभा की कुल 25 सीटों में 13 सीटों पर भाजपा की बढ़त बनी हुई है। भाजपा की सहयोगी पार्टियां भी 5 सीटों पर आगे चल रही हैं। कांग्रेस पार्टी भी 6 सीटों पर आगे चल रही है। अरुणाचल प्रदेश में अरुणाचल पश्चिम से किरेन रिजिजू 88098 मतों और अरुणाचल पूर्व से तापीर गाओ 27530 मतों से आगे चल रहे हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों में से 9 सीटों पर भाजपा आगे चल रही है। दरंग-उदालगुड़ी सीट से दिलीप सैकिया 117565 मत, गुवाहाटी से बिजुली कलिता मेधी 88826 मत, डिफू से अमरसिंग तिस्सो 25293 मत, करीमगंज से कृपनाथ मल्लाह 1245 मत, सिलचर से परिमल शुक्लाबैद्य 115563 मत, काजीरंगा से कामाख्या प्रसाद तासा 73051 मत, तेजपुर से रंजीत दत्ता 137523 मत, लखीमपुर से प्रदान बरुआ 80380 मत तथा डिब्रूगढ़ से -शेष पृष्ठ दो पर

जनता ने किसी को बहुमत नहीं दिया : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खड़गे ने कहा कि यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी। उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के -शेष पृष्ठ दो पर

छह सीटों पर निर्दलीय आगे

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनावों के लिए मतगणना जारी है और अब रुझान परिणाम में बदलने लगे हैं। जहां भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है वहीं कांग्रेस नेतृत्व वाली इंडी अलायंस मजबूत विपक्ष बनकर उभरा है। इस बीच महाराष्ट्र की सांगली, पंजाब की खडूर साहिब और फरीदकोट, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर की बारामूला और लद्दाख सहित कुल छह सीटों पर निर्दलीय -शेष पृष्ठ दो पर

गठबंधन में लेंगे सरकार बनाने को लेकर फैसला : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि देश में सरकार बनाने का फैसला वह अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर लेगी। हालांकि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाने की बात कही। कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में 100 के करीब सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं।

पिछली बार के 55 सीटों के आंकड़ों के बाद इस बार कांग्रेस लगभग दो गुना सीटों पर जीत के करीब है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी और जयराम रमेश ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर जनता को वोट देने के लिए धन्यवाद दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम जनता के मत को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। सत्ताधारी पार्टी एक व्यक्ति और नाम पर -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीए के साथ बने रहेंगे : जेडीयू

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडी(यू) ने सोमवार को कहा कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ बने रहेंगे, जिसमें सत्तारूढ़ दल

राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से अधिकांश पर आगे चल रहा है। दोपहर के आसपास चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध रुझानों के अनुसार, जेडी(यू) अपने गठबंधन सहयोगी भाजपा से अधिक सीटों पर आगे चल रहा है। जेडी(यू) के मंत्री जमा खान ने कहा कि नीतीश कुमार का फैसला सर्वोच्च होगा क्योंकि उन्होंने हमेशा बिहार के लोगों के बारे में -शेष पृष्ठ दो पर

नोटा ने तोड़ा अब तक का रिकॉर्ड इंदौर में मिले एक लाख से ज्यादा वोट

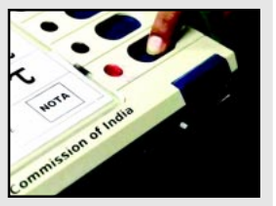

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंदौर में नोटा को जमकर वोट मिल रहे हैं। अब तक के सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नोटा को 144842 वोट मिले है। लोकसभा चुनाव की जारी मतगणना के दौरान मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) ने बिहार के गोपालगंज का पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब तक 51,864 वोट हासिल कर लिए हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नोटा को बिहार की गोपालगंज सीट पर सर्वाधिक वोट मिले थे। तब इस क्षेत्र के 51,660 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना था और कुल मतों में से करीब पांच प्रतिशत वोट नोटा के खाते में गए थे। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद नोटा के बटन को सितंबर 2013 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में शामिल किया गया था। निवर्तमान सांसद एवं भारतीय जनता -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव रिजल्ट में भाजपा को झटके से पाकिस्तान खुश

इस्लामाबाद। भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजों के शुरुआती रुझानों में भाजपा की सीटें काफी घट रही हैं। हालांकि रिजल्ट में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनती नजर आ रही है लेकिन रुझानों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

बनकर उभरी है लेकिन बहुमत के आंकड़े से वह दूर रह गई है। 2019 के मुकाबले भाजपा की सीटें घटने पर पाकिस्तान के नेता खुशी से झूम रहे हैं। इमरान खान की सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी ने भाजपा को मिले झटके पर खुशी जताई है। फवाद ने कहा कि उनको उम्मीद थी कि भारत की जनता नरेंद्र मोदी और उनकी विचारधारा को खारिज करेगी। यही हुआ है, जो दावे भाजपा को लेकर किए गए थे, वो फेल हो रहे हैं। फवाद चौधरी ने अपने ट्वीट में कहा कि भारतीय मतदाताओं पर हमेशा से विश्वास रहा है कि अतिवादियों और नफरत फैलाने वालों को खारिज कर -शेष पृष्ठ दो पर

स्तब्ध वर्ल्ड मीडिया, आंकड़ों पर जताई हैरानी, कहा-

उम्मीद नहीं थी...

लंदन। लोकसभा चुनाव के रुझानों के साथ ही विजेता उम्मीदवारों की घोषणा के बीच एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देने वाले दुनिया भर के मीडिया का रिएक्शन आना शुरू हो गया है। लोकसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। रुझानों में एनडीए बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी है, लेकिन विपक्षी गठबंधन भी बहुत ज्यादा पीछे नहीं है। आंकड़ों का असर भारत के शेयर बाजार पर भी पड़ा है और शेयर बाजार में

गिरावट आई है। चुनाव नतीजों पर ग्लोबल मीडिया हैरानी जता रहा है और कहा कि जो आंकड़े सामने आ रहे हैं वैसी उम्मीद नहीं की गई थी। शुरुआती रुझानों पर प्रमुख मीडिया संस्थानों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है जिनमें अमेरिकी के न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि भारत के लोकसभा चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा शुरुआती रुझानों में भाजपा आगे है, लेकिन शायद भाजपा बहुमत हासिल नहीं कर सकेगी और पार्टी को बहुमत के लिए छोटी पार्टियों का समर्थन लेना होगा। न्यूयॉर्क टाइम्स का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स 4389 अंक टूटकर 72,079 और निफ्टी 1379 अंक गिरकर हुआ बंद

मुंबई। लोकसभा चुनाव के नतीजों के रुझानों के बीच 4 जून को शेयर बाजार लहूलुहान हो गया। कारोबार के दौरान बाजार में 6000 अंक से ज्यादा की गिरावट रही वहीं निफ्टी भी 1800 अंक से ज्यादा गिरा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 4389.73 (5.74 फीसदी) अंक गिरकर 72,079.05 के स्तर जबकि निफ्टी में 1,379.40 (5.93 फीसदी) अंक की गिरावट रही, ये 21,884.50 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में आज गिरावट की वजह से निवेशकों को 43 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। 23 मार्च 2020 के बाद ये बाजार की सबसे बड़ी गिरावट है। तब कोरोना के कारण बाजार 13.15 फीसदी टूटा था। 22 मार्च को सेंसेक्स 29,915 के स्तर पर था जो 23 मार्च को 3934 अंक गिरकर 25,981 के स्तर पर आ गया था। सुबह में सेंसेक्स करीब 1.80त्न गिरकर 75,180 के आसपास खुला। निफ्टी भी 1.70 फीसदी से ज्यादा की गिरावट लेकर 22,900 के ऊपर खुला। निफ्टी बैंक 1.90 फीसदी की गिरावट के साथ निफ्टी 50,000 के लेवल पर खुला। लोकसभा चुनाव की मतगणना शुरू होने और रुझान आने के साथ ही शेयर बाजार में भगदड़ मच गई।आलम ये रहा कि सेंसेक्स में कोरोनाकाल के बाद पहली बार 6100 अंकों से ज्यादा की गिरावट पर ट्रेडिंग कर रहा तो निफ्टी भी 5 फीसदी से अधिक टूट गया है। बाजार में लोअर सर्किट की आशंका भी बलवती हो गई है। ऐसे में बाजार नियामक सेबी ने कुछ-कुछ समय के लिए ट्रेडिंग रोकने का फैसला किया है। हालांकि, ऐसा तभी होगा जब बाजार में लोअर सर्किट लगेगा। बाजार नियामक सेबी ने बाकायदा टाइमिंग जारी किया है। बीच-बीच में दो बार ट्रेडिंग रोकने के बाद आखिरकार आज बाजार को करीब एक घंटे पहले ही बंद कर दिया जाएगा। अगर तीसरी बार भी लोअर सर्किट लगता है तो ऐसा निवेशकों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। सेबी के अनुसार, 4 जून को 2.30 बजे के बाद बाजार में ट्रेडिंग नहीं होगी। सेबी की मंशा निवेशकों का पैसा डूबने से बचाना है, क्योंकि बाजार में आज लगातार गिरावट से लाखों करोड़ रुपए डूब गए। आज निफ्टी पीएसई इंडेक्स में 3.5 फीसदी तक की गिराटव देखने को मिली। इस इंडेक्स के 20 स्टॉक्स गिरावट के साथ कामकाज करते नजर आए। इस इंडेक्स से एनएचपीसी, आरईसी जैसे स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। इस इंडेक्स में शामिल नहीं होने वाले सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स की बात करें एसजेवीएन, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआरसीटीसी और आरवीएनएल में 10 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी ग्रुप के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन करीब 13 फीसदी से ज्यादा गिरकर कामकाज करते नजर आया।

सटोरियों ने चुनाव परिणामों पर खेला करोड़ों रुपए का दांव

नई दिल्ली। अधिकांश एक्जिट पोल पूर्वानुमानों के अनुरूप दिल्ली के सट्टेबाजों का मानना है कि सत्तारूढ़ राजग को लोकसभा चुनाव में 340 से अधिक सीटें मिलेंगी, जबकि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए को लगभग 200 सीटें मिल सकती हैं। सटोरियों के नेटवर्क में काम करने वाले एक सूत्र ने बताया कि दिल्ली में सट्टेबाजों का आकलन है कि राजग को 341 से 343 सीटें मिल सकती हैं, जबकि आईएनडीआईए के लिए यह संख्या 198 से 200 के बीच हो सकती है। सट्टेबाजों का पूर्वानुमान है कि भाजपा अपने दम पर 310 से 313 सीटें जीत सकती है, जबकि कांग्रेस की सीटें 57 से 59 के बीच हो सकती हैं। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से सटोरियों ने विपक्षी गठबंधन को एक सीट दी है। सूत्रों ने कहा कि सट्टा बाजार दो सप्ताह पहले खुल गया है और एनसीआर में अब तक चुनाव परिणामों पर करोड़ों रुपए का दांव लगाया जा चुका है। सटोरिये सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी हैं। सट्टा बाजार में राजग के लिए दरें कम हैं, क्योंकि उसके जीतने की संभावना अधिक है। सूत्रों ने बताया कि सट्टेबाजों ने राजग की पूर्ण बहुमत के साथ एक बार फिर जीत की भविष्यवाणी की है, लेकिन उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन के 400 का आंकड़ा पार करने की संभावना से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि दुबई स्थित सट्टेबाजों के एक नेटवर्क ने भी चुनावों में राजग को भारी बहुमत मिलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

इंडिया गठबंधन ने नीतीश कुमार को दिया उप-प्रधानमंत्री बनाने का ऑफर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के वोटों की गिनती जारी है, लेकिन संकेत बताते हैं कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) मामूली जीत हासिल करेगा। सहयोगी दलों के साथ ही भाजपा 272 लोकसभा सीटों का आंकड़ा पार करने वाली सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ रही है। हालांकि इंडिया ब्लॉक के 272 सीटों के जादुई आंकड़े तक पहुंचने की संभावना नहीं है, फिर भी एक रणनीतिक संयोजन कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को केंद्र में सरकार बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है। एनडीए 299 सीटों पर आगे है। इसमें जेडीयू की 14 सीटें शामिल हैं। ऐसे में सरकार बनने में जेडीयू एक महत्वपूर्ण भूमिका है। इस बीच सूत्रों के मुताबिक इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार को उपप्रधानमंत्री बनाने का ऑफर दिया है। सूत्रों के मुताबिक ही शरद पवार ने भी नीतीश कुमार से बात की है। हालांकि, जेडीयू की ओर से ये कहा गया है वह एनडीए का ही हिस्सा रहेगी। बता दें कि जब नीतीश कुमार बिहार में महागठबंधन की सरकार चला रहे थे और कांग्रेस के अलावा आरजेडी साथ थी तो नीतीश कुमार ने ही विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए बैठकें शुरू की थी, लेकिन बाद में उन्होंने महागठबंधन का साथ छोड़ दिया था। बता दें कि महागठबंधन का साथ छोड़ने के बाद नीतीश कुमार ने भाजपा से हाथ मिला लिया था और एनडीए का हिस्सा हो गए थे। यही वजह है कि इस समय राजनीतिक हचलच तेज है।

पीएम मोदी को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव के नतीजे पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नैतिक हार स्वीकार करते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि उन्होंने चुनाव में यह दावा करते हुए प्रचार किया था कि भाजपा 400 से अधिक सीटें जीतेगी। ममता ने कहा कि हकीकत यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी केंद्र से सत्ता से बाहर हो जाएं और इंडी गठबंधन सत्ता में आए। उन्होंने कहा कि उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी, जो टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव हैं, बुधवार को नई दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक में शामिल होंगे। हालांकि ममता बनर्जी ने अफसोस जताया कि उनकी पार्टी को अभी तक बैठक के बारे में सूचित नहीं किया गया है।

उत्तर प्रदेश में *यूपी के लड़कों* ने डबल इंजन को नुकसान पहुंचाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक की ओर से नतीजों के दिन एक बड़ा सरप्राइज आया है। शुरुआती बढ़त से पता चलता है कि इंडिया ब्लॉक ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से, समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन को 41 सीटों पर शुरुआती बढ़त मिली है। शुरुआती रुझान मुस्लिम-यादव और ओबीसी वोटों के एकीकरण का नतीजा हो सकते हैं। एकीकरण के अलावा, नौकरियों और अग्निवीर योजना को लेकर राजपूत समुदाय और युवाओं का गुस्सा इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के लिए जीत में अहम भूमिका निभा सकता है। शुरुआती रुझान चौंकाने वाले हैं क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पास पांच और कांग्रेस के पास सिर्फ एक सीट थी। उत्तर प्रदेश एक महत्वपूर्ण राज्य है, जो सबसे ज्यादा सांसदों को लोकसभा में भेजता है। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के शुरुआती नतीजों में पश्चिमी यूपी की 29 सीटों पर समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन हावी दिख रहा है। एनडीए ने 2019 में इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था और बेहतर नतीजों के लिए 2024 के आम चुनाव में जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के साथ गठबंधन किया था। अगर शुरुआती रुझानों पर गौर करें तो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस के राहुल गांधी की चुनावी रैलियों ने वोटों को मजबूत करने का काम किया है। यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए झटका हो सकता है, जिन्होंने राज्य की 80 में से ज़्यादातर सीटें एनडीए को दिलाने का वादा किया था।

त्वरित टिप्पणी : न हम हारे, न तुम जीते

नई दिल्ली (हि.स.)। एक पुरानी कहावत है- तुम्हारी भी जय जय, हमारी भी जय जय। न हम हारे, न तुम जीते। अठारहवीं लोकसभा चुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह गीत गुनगुनाने का अवसर दे दिया है। सबसे पहली बात तो यह कि इन चुनाव परिणामों से भारत की जनता का लोकतंत्र में विश्वास निश्चित तौर से मजबूत हुआ होगा। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सबसे ज्यादा मतदाताओं में इस विश्वास की बहाली अपने आपमें एक पक्ष है। ऐसा भी नहीं था कि इससे पहले लोकतंत्र में लोगों का विश्वास कम था। हां, पिछले कुछ वर्षों में, या यह कहें कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के उभार और लगातार दो बार पूर्ण बहुमत की विस्मयकारी जीत ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह आशंका फैलाने का अवसर दिया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं होते, या ईवीएम को हैक किया जा रहा है। मंगलवार को आए चुनाव परिणामों ने इन आशंकाओं को निर्मूल साबित कर दिया है। भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा और बढ़ी है। देश ही नहीं विश्व भर में इसकी चर्चा होगी कि भारत में निर्वाचन कितना निष्पक्ष होता है। इन चुनाव परिणामों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मन से तैयार नहीं थी। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा देकर चुनावों को दिलचस्प बना दिया था। विपक्षी दल भाजपा को 400 पार न जाने देने की कोशिशों में लग गए। पर जमीनी हकीकत भाजपा और उसका नेतृत्व भी जानता था। इसीलिए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने और उसे अधिक सक्रिय करने के उद्देश्य से एक बड़ा सपना दिखाया गया। चुनाव परिणाम बताते हैं कि वह सपना भले पूरा न हुआ हो पर लगातार तीसरी बार सबसे बड़े दल के रूप में और बहुमत से कुछ ही पीछे रह जाने वाली भाजपा ही सत्ता की असली दावेदार है। लोगों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास प्रकट किया है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल सत्ता से दूर रह जाने के बाद भी ऐसा दावा कर रहे हैं जैसे भाजपा चुनाव हार गई। जबकि भाजपा के लिए यह जीत बहुत मायने रखती है। पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी ही ऐसे प्रधानमंत्री होंगे जिनके नेतृत्व में भाजपा सत्ता में पहुंची है। साथ ही ओडिसा में पूर्ण बहुमत से पहली बार राज्य सरकार बनाने जा रही भाजपा को बहुत बड़ी खुशी दी है। ओडिसा में भाजपा की यह जीत बहुत मेहनत और लगातार संघर्ष के बाद आयी है।

क्रैश हुआ आईएएफ का सुखोई जेट

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नासिक रेंज के विशेष पुलिस महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि पायलट और सह-पायलट सुखोई एसयू-30एमकेआई से सुरक्षित बाहर निकल आए।

Apollo HOSPITALS CHENNAI
Apollo Cancer Centre Chennai
Apollo Cancer Centres

CONSULTANT NEUROSURGEON

DR. K. CHANDRASEKHAR M.ch(Neurosurgery), Fellowship in Skull Base & Cerbrovascular Sugery(USA) Fellowship in Endovascular Surgery(Netherlands)

Visiting GUWAHATI ON 16th June'2024

Patients suffering from Fits, Seizures, Brain Tumors, Cerebral Stroke, Back Pain, Neck Pain, Cervical and Lumber spondylosis, Facial Pain, Stiff Back and other Neurological Problem can register their names in advance at:

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

हमारी जीत दुनिया...

दिखाया है और दुनियाभर में भारत को बदनाम करने वाली ताकतों को आईना दिखा दिया है। अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी दिवंगत मां का स्मरण करते हुए कहा कि मां के बिना यह उनका पहला चुनाव था। उधर लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबसे अधिक सीटों पर बढ़त और एनडीए के बहुमत के आंकड़े को पार करने का जश्न मनाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में जीत का जश्न शुरू हो गया है। पार्टी महासचिव तरुण चुघ ने ढोल नगाड़े बजा कर अपनी खुशी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने बैंड बाजे के साथ जीत का जश्न मनाया और जय श्रीराम के नारे लगाए। मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे लगाए और तस्वीरों को लेकर जय श्री राम के नारे लगाए। कार्यकर्ता अपनी खुशी जाहिर करने के लिए ढोल नगाड़े की धुन पर थिरके। कई कार्यकर्ता अपने हाथों में मोदी की तस्वीरें लेकर पहुंचे और आरती उतारी। जीत के जश्न में पार्टी कार्यालय में मिठाइयां बांटी गईं। शाम साढ़े पांच बजे तक भाजपा 241 सीटों पर बढ़त बनाए थी जबकि एनडीए 292 पर बढ़त बनाए हुए थी।

पूर्वोत्तर : 25 में ...

सर्वानंद सोनोवाल 120730 मतों से भाजपा उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। भाजपा की सहयोगी पार्टी यूपीपीएल उम्मीदवार जयंता बसुमतारी कोकराझार से 22404 मत और अगप उम्मीदवार फणी भूषण चौधरी बरपेटा सीट से 86679 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन धुबड़ी से 278545 मत, प्रद्युत बरदलै नगांव से 69987 मत एवं गौरव गोगोई जोरहाट से 64081 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। मणिपुर की दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इनमें इनर मणिपुर से अंगोमचा बिमोल अकोइजम 69452 मत और आउटर मणिपुर से अल्फ्रेड कन्नगम एस आर्थर 46699 मतों से आगे चल रहे हैं। मेघालय की दो सीटों में एक पर कांग्रेस उम्मीदवार सालेंग ए संगमा तुरा से 152478 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। शिलांग सीट से वीओटीपीपी उम्मीदवार डॉ. रिकी एंड्रयू जे. सिंगकोन 346335 मतों से आगे चल रहे हैं। मिजोरम की सत्ताधारी पार्टी जेडपीएम उम्मीदवार मिजोरम रिचर्ड वानलालहमंगईहा 66852 के अंतर से आगे चल रहे हैं। नगालैंड की एक मात्र सीट से कांग्रेस उम्मीदवार एस सुपोंगमेरेन जमीर 48243 मतों से आगे चल रहे हैं। सिक्किम की एकमात्र सीट से सत्ताधारी पार्टी एसकेएम उम्मीदवार इंद्र हंग सुब्बा 78170 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। त्रिपुरा की दोनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। त्रिपुरा पश्चिम से बिप्लब कुमार देब 581695 मतों से तथा त्रिपुरा पूर्व से कृति देवी देबबर्मन 474371 मतों के अंतर से आगे चल रही हैं।

छह सीटों पर ...

उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। पंजाब की दो लोकसभा सीटों के नतीजे सबको चौंका रहे हैं। फरीदकोट से इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह आगे हैं। वहीं खडूर साहिब लोकसभा से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल आगे है। फरीदकोट सीट की बात करें तो यहां सरबजीत सिंह खालसा अभी 70,246 वोटों से आगे है। चुनाव आयोग के अनुसार, उन्हें शाम 4 बजे तक 2,96,922 वोट मिले हैं। वहीं आम आदमी पार्टी के करमजीत सिंह अनमोल को 226676 वोट मिले हैं। कांग्रेस की उम्मीदवार अमरजीत कौर तीसरे स्थान पर हैं। शिरोमणि अकाली दल के राजविंदर सिंह धर्मकोट चौथे और भाजपा के हंसराज हंस पांचवें स्थान पर हैं। असम की जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और अब तक 3 लाख 62 हजार से अधिक वोट पाकर सबसे आगे है। चुनाव आयोग के शाम 4 बजे के आंकड़ों के अनुसार, निर्दलीय उम्मीदवार अमृतपाल सिंह कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा से 1 लाख 68 हजार से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं। इसके बाद आम आदमी पार्टी के लालजीत सिंह भुल्लर और भाजपा के मनजीत सिंह मन्ना क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। उल्लेखनीय है कि 2019 के चुनाव में खडूर साहिब सीट पर कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल ने जीत दर्ज की थी। महाराष्ट्र की सांगली लोकसभा सीट पर अब तक के रुझानों में निर्दलीय उम्मीदवार और कांग्रेस के बागी विशाल (दादा) प्रकाशबापू पाटिल पांच लाख 69 हजार से अधिक वोट पाकर सबसे आगे चल रहे हैं। पाटिल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया, क्योंकि महाराष्ट्र में कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ रही यह सीट इंडिया ब्लॉक के सीट-शेयरिंग समझौते के तहत शिवसेना (यूबीटी) को आवंटित कर दी गई थी। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल फिलहाल त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा के संजय पाटिल और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के चंद्रहार पाटिल से आगे हैं। चुनाव आयोग के शाम 4 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, विशाल पाटिल एक लाख 304 वोट से भाजपा के संजय पाटिल से आगे हैं। शिव सेना (उद्धव ठाकरे) के चंद्रहार पाटिल तीसरे स्थान पर हैं। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उत्तर कश्मीर के बारामुला लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार शेख अब्दुल राशिद (इंजीनियर राशिद) से हार स्वीकार कर ली। चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार राशिद 4,57,298 मत पाकर सबसे आगे चल रहे हैं, जबकि अब्दुल्ला 2,56,239 मतों से पीछे चल रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस के उम्मीदवार सज्जाद लोन 1,62,908 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लद्दाख में मतगणना जारी है, जहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। शाम 4 बजे तक निर्दलीय उम्मीदवार मोहम्मद हनीफा को 64,443 से ज़्यादा वोट मिले हैं, दूसरे नंबर पर कांग्रेस के त्सेरिंग नामग्याल और तीसरे स्थान पर भाजपा के ताशी ग्यालसन हैं। दमन और दीव लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार पटेल उमेशभाई बाबूभाई 44 हजार 523 वोट पाकर पहले स्थान पर हैं। भाजपा के लालू भाई पटेल दूसरे और कांग्रेस के केतन दह्याभाई पटेल तीसरे स्थान पर हैं। यदि किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो सरकार बनाने में इन निर्दलीय सांसदों की भूमिका महत्व की हो जाती है।

गठबंधन में लेंगे...

झचुनाव लड़ रही थी, जिसे जनता ने नकार दिया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक और राजनैतिक हार है। जनता ने उनकी महत्वाकांक्षाओं पर अवरोध लगाया है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान और मजदूरों के हितों के लिए जनता ने वोट किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे संविधान बचाने के लिए जनता का मत बताया और कहा कि हमने गठबंधन में चुनाव लड़ा है। विपक्षी पार्टियों के साथ हमें मिलकर सरकार बनाना है या नहीं, इस पर फैसला लेंगे। राहुल गांधी ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने राजनीतिक समझ दिखाई है।

एनडीए के साथ...

सोचा है। हमारे नेता जो भी फैसला करेंगे, हम उनका पालन करेंगे और उनके कदम का सम्मान करेंगे। परिणाम आने दें। नीतीश कुमार ने हमेशा बिहार के लोगों के बारे में सोचा है और उनका फैसला सर्वोच्च होगा। जेडी(यू) के एक अन्य मंत्री मदन साहनी ने कहा कि हम केंद्र में सरकार बनाएंगे। हम एनडीए के साथ मजबूती से हैं। विपक्षी भारत ब्लॉक का हिस्सा तेजस्वी यादव की आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने दिखाया कि वह राज्य में केवल 10 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि एनडीए दल 30 पर आगे चल रहे हैं। पिछले पांच सालों में नीतीश कुमार के दो बार गठबंधन बदलने के बावजूद, एग्जिट पोल ने दिखाया था कि एनडीए बिहार में कुल 40 में से 30 से अधिक सीटें जीतकर जीत सकता है। 2019 में भी एनडीए ने 39 सीटों के साथ राज्य में जीत दर्ज की थी। नीतीश बमुश्किल पांच महीने पहले ही एनडीए के पाले में लौटे हैं, भले ही उन्होंने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी जैसे अन्य विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर भारत ब्लॉक को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अभी तक के रुझानों से पता चलता है कि जेडी(यू) ने जिन 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 14 पर वह प्रतिद्वंद्वियों से आगे है। भाजपा ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और वह 11 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि उसकी सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हाजीपुर सहित सभी पांच सीटों पर आगे चल रही है, जहां उसके अध्यक्ष चिराग पासवान ने करीब 24,000 वोटों की बढ़त बनाई है। राजद ने यह भी उम्मीद जताई कि नीतीश और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू, जिन्होंने आंध्र प्रदेश में जोरदार वापसी की है, एनडीए से अलग हो सकते हैं, क्योंकि दोनों नेताओं को प्रतिशोध की राजनीति पसंद नहीं है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली पार्टी, जो बिहार की कल्पना को पकड़ने में विफल रही है, ने नीतीश की भविष्यवाणी को भी याद किया कि जो लोग सत्ता में आए हैं, वे 2024 में बाहर हो जाएंगे, और उन्होंने भारत ब्लॉक की नींव रखने में जो प्रयास किए। आरजेडी प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा कि हम पहले नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों के साथ गठबंधन में थे। हम जानते हैं कि वे प्रतिशोध की राजनीति पसंद नहीं करते हैं, जिसका भाजपा समर्थन करती है। ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी बाहर होने वाले हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों नेता केंद्र में सत्ता परिवर्तन में अहम भूमिका निभाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी समेत उनकी पार्टी के नेता नीतीश के संपर्क में हैं, उन्होंने रहस्यमयी अंदाज में जवाब दिया कि जिन लोगों को उनसे संपर्क करने की जरूरत है, वे उनसे बात कर रहे हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव कुछ समय से कह रहे हैं कि नीतीश कुमार 4 जून के आसपास कोई बड़ा फैसला लेंगे।

चुनाव रिजल्ट में ...

देंगे। नतीजों में ये साफ दिख रहा है कि कैसे भाजपा के मोदी और राजनाथ सिंह भी मुश्किल से लोकसभा में पहुंच पा रहे हैं। वहीं कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी दोनों सीटें जीत रहे हैं। फवाद चौधरी ने एक और ट्वीट में लिखा कि भारत में भी वही हुआ है जो पाकिस्तान के चुनाव में हुआ। पाकिस्तान की तरह भारत में मोदी गलत साबित हुए। फवाद चौधरी ने इससे पहले भारत चुनावों के बारे में आए एग्जिट पोल पर भी सवाल उठाते हुए कहा था इसमें चीजों को बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया है। फवाद चौधरी पाकिस्तान के उन नेताओं में शामिल हैं, जिनकी ओर से भारत के चुनाव पर लगातार बयान दिए गए थे। उन्होंने बार बार भारत के लोगों से नरेंद्र मोदी को हराने की अपील की थी। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने चुनावों के बीच में कांग्रेस के राहुल गांधी को अच्छा नेता बताते हुए ट्वीट किया था। उनके इस ट्वीट की भारत के चुनावों में भी चर्चा रही। चौधरी ने भारतीय चुनावों पर बयानबाजी की वजह पूछने पर कहा था कि पाकिस्तानी राहुल को पीएम देखना चाहते हैं क्योंकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बहुसंख्यकवाद पर बढ़ रहा है। ये भारत और उसके पड़ोसियों के लिए अच्छा नहीं है। ऐसे में हमें चाहिए कि राहुल गांधीं, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी में से जो भी नरेंद्र मोदी को हराए, उसका हमें सपोर्ट करना चाहिए। फवाद ने कहा था कि मैं तो राहुल या मोदी किसी को भी निजी तौर पर नहीं जानता। मेरी समझ ये है कि जो भी भारत में कट्टरपंथ से लड़े, उसे हमारा समर्थन होना चाहिए।

उम्मीद नहीं ...

कहना है कि भारत के लोकसभा चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है और शुरुआती रुझान उम्मीदों के विपरीत चल रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट में कहा शुरुआती रुझानों में भाजपा आगे है, लेकिन शायद भाजपा बहुमत हासिल नहीं कर सकेगी और पार्टी को बहुमत के लिए छोटी पार्टियों का समर्थन लेना होगा। हालांकि रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अभी स्पष्ट तौर पर कह पाना मुश्किल है, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो यह पहली बार होगा, जब पीएम मोदी अपने राजनीतिक करियर में पहली बार बगैर बहुमत के सरकार चलाएंगे। सीएनएन ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि भारत के लोकसभा चुनाव में शुरुआती रुझानों में भाजपा आगे चल रही है, लेकिन कांग्रेस मुख्यालय में खुशी की लहर है। एग्जिट पोल्स के निराशाजनक अनुमानों के विपरीत कांग्रेस कई सीटों पर आगे चल रही है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। अल जजीरा ने लिखा है कि रुझानों में मोदी की भाजपा बहुमत से पिछड़ रही है। अल जजीरा ने रुझानों के चलते भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट का भी जिक्र किया है। उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन की सीटें आधी होने को भी अल जजीरा ने प्रमुखता से लिखा। रिपोर्ट में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन की जीत का भी जिक्र है। अमेठी से स्मृति ईरानी के पिछड़ने का भी जिक्र किया गया है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है नरेंद्र मोदी ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन शुरुआती रुझानों में मुकाबला कड़ा है और अब भाजपा को अकेले दम पर बहुमत पाने में भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। शुरुआती रुझानों में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के बीच 60-70 सीटों का ही अंतर है और एनडीए एकतरफा जीत हासिल नहीं कर रहा है। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ता खुशी मना रहे हैं। वहीं भाजपा मुख्यालय पर मिली-जुली प्रतिक्रिया है। हालांकि भाजपा के पार्टी प्रवक्ताओं का दावा है कि वह आराम से सरकार बना रहे हैं। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन का कहना है कि भारतीय चुनाव में मोदी गठबंधन का दबदबा है, लेकिन विपक्षी गठबंधन भी रफ्तार पकड़ रहा है। अखबार ने लिखा है कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वाराणसी सीट पर पीएम मोदी के आगे चलने की बात भी अखबार ने लिखी है।

नोटा ने तोड़ा अब ...

पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार शंकर लालवानी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी संजय सोलंकी से 2,81,924 वोट से आगे हैं। लालवानी इस सीट पर रिकॉर्ड जीत की ओर आगे बढ़ रहे हैं जहां कुल 14 उम्मीदवारों के बीच चुनावी टक्कर है। इंदौर में कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया और वह इसके तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई। इसके बाद कांग्रेस ने स्थानीय मतदाताओं से अपील की कि वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर नोटा का बटन दबाकर भाजपा को सबक सिखाएं।

जनता ने किसी ...

इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खड़गे ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

नीतीश और चंद्रबाबू किसी के नहीं : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि अभी भी यह दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भाजपा गठबंधन के साथ रहेंगे ही। उन्होंने कहा कि आज नहीं तो एक महीने, एक साल में भी यह दोनों ही पार्टियों टूट कर इस तरफ आ सकती हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा आज चुनाव परिणाम के संदर्भ में मीडिया के सामने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम में न सिर्फ कांग्रेस को मिलने वाली सीटों में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि कांग्रेस का वोट काफी अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा जोरहाट में पूरी ताकत लगा देने के बावजूद गौरव गोगोई को जनता ने चुनाव जीता दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने घोषणा की थी कि यदि गौरव गोगोई जोरहाट से चुनाव हार जाते हैं तो वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह शुरू से ही कहते आए हैं कि भाजपा और एआईयूडीएफ की मिलीभगत है। बदरुद्दीन अजमल को चुनाव जीताने के लिए मुख्यमंत्री ने जितनी ताकत लगाई, लेकिन जनता ने संप्रदायिक राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवारों को आपस में समेटा नहीं जा सका, नहीं तो डिब्रूगढ़, शोणितपुर, बरपेटा समेत अन्य कई सीटों पर भी भाजपा चुनाव हार सकती थी। उन्होंने कहा कि असम की जनता शेर है। शेर जग गया है। अब संप्रदायिक राजनीति की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए इस संदर्भ में और भी कई बातें कहीं।

मिजोरम : एकमात्र लोकसभा सीट पर सत्ताधारी पार्टी जेडपीएम जीती

आइजोल (हिंस)। राज्य की सत्ताधारी पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने मिजोरम की एक मात्र लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की है। जेडपीएम के उम्मीदवार रिचर्ड वनलालमंगईहा ने मिजो नेशनल फ्रंट के उम्मीदवार के वनलालवेना को 68,288 मतों से हराया। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मिजोरम की सीट पर जेडपीएम के उम्मीदवार रिचर्ड वनलालमंगईहा ने जीत दर्ज की है। रिचर्ड वनलालमंगईहा ने 2,08552 मत लेकर मिजो नेशनल फ्रंट के उम्मीदवार के वनलालवेना को 68,288 मतों के अंतर से पराजित किया है। वनलालवेना को केवल 1,40264 मत मिले। इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार लालबियाकजामा को 98,595, भाजपा उम्मीदवार वनलालहमुआका को 33,533 मत, निर्दलीय लालहरियात्रेंगा चांगटे को 4706 मत, मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस उम्मीदवार रीता मालसावमी को 3793 मत मिले हैं। इस सीट पर नोटा पर 1893 मत पड़े हैं।

नगालैंड में लंबे अर्से बाद कांग्रेस को मिली जीत

कोहिमा (हिंस)। पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य में लंबे अर्से के बाद किसी चुनाव में कांग्रेस को जीत का स्वाद चखने को मिला है। नगालैंड लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी एनडीपीपी के उम्मीदवार को करारी शिकस्त दी है। नगालैंड राज्य में कांग्रेस पार्टी को काफी समय से न तो विधानसभा में और न ही लोकसभा चुनाव में जीत हासिल हो रही थी।

कछार जिले में नाव पलटने से पानी में डूबे पांच लोगों में से दो के शव बरामद

कछार (हिंस)। जिले के सोनाई राजस्व सर्किल के अंतर्गत दक्षिण मोहनपुर गांव में सोमवार को जलभराव वाले इलाके में एक नाव पलटने से पांच लोग डूब गए थे। मंगलवार को एनडीआरएफ टीम ने दो शव को बरामद कर लिया है। अन्य लोगों की तलाश के लिए एनडीआरएफ लगातार अभियान चला रही है। दरअसल, सोमवार को 10 लोगों को ले जा रही एक नाव गहने जलभराव वाले इलाके में पलट गई थी। नाव पलटने के बाद पांच लोग तैरकर सुरक्षित निकलने में कामयाब हो गए थे, जबकि पांच व्यक्ति पानी में डूब गए थे। घटना की जानकारी पर जिला मुख्यालय शहर सिलचर में तैनात एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता व्यक्तियों की तलाश शुरू की। नदी जैसे जलभराव वाले इलाके में डेढ़ दिन तक चले अभियान के बाद टीम ने मंगलवार को दो व्यक्तियों के शव पानी से निकाले। अन्य लोगों की अभी भी तलाश में एनडीआरएफ की टीम जुटी है।

अपहरण के मामले में शामिल एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचुक पुलिस ने अपहरण मामले की गुत्थी को सुलझाते हुए अपहरण मामले में शामिल एक अपहर्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गोरचुक पुलिस की एक टीम ने बरपेटा के मोहम्मद हबीबुर रहमान (31) के अपहरण के मामले का भंडाफोड़ किया। अपहरण किए जाने की सूचना मिलने पर बरपेटा के रबीउल इस्लाम (24) को आईएसबीटी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित फिरौती की रकम लेने के लिए इलाके मे पहुंचा था। पुलिस ने अभियान के दौरान कार (एएस-01ईएल-0131) को भी जब्त किया है। अभियान के दौरान अपहरर्ता के चुंगुल से अपहृत व्यक्ति को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने रिकॉर्ड मतों के अंतर से जीत दर्ज की

गुवाहाटी (हिंस)। असम की 14 लोकसभा सीटों में कांग्रेस पार्टी तीन सीटों पर भारी मतों के अंतर से आगे चल रही है। धुबड़ी से कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन अपने निकटतम प्रतिद्वंदी एआईयूडीएफ के उम्मीदवार मौलाना बदरुद्दीन अजमल से 463663 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। हुसैन को कुल 686984 मत और मौलाना अजमल को महज 223321 मत मिले हैं। इसी तरह जोरहाट लोकसभा क्षेत्र कांग्रेस उम्मीदवार एवं राहुल गांधी के बेहद करीबी गौरव गोगोई 102809 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। गौरव को अब तक कुल 560251 मत मिले हैं। नगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार प्रद्युत बोरदोलोई 106831मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। बोरदोलोई को अब तक कुल 355580 मत मिले हैं। क्षेत्र पुनर्निरधारण के बाद गौरव गोगोई की सीट बदल गई। इसके बावजूद गौरव गोगोई भारी मतों के अंतर से अपने प्रतिद्वंदी भाजपा उम्मीदवार तपन कुमार गोगोई से आगे चल रहे हैं। बराकघाटी की एक सीट करीमगंज पर भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। इस सीट का आंकड़ा हर पल बदल रहा है। इस सीट पर कभी भाजपा आगे होती है तो कभी कांग्रेस। अब देखना होगा कि अंत में जीत किसकी होती है।

नगांव से भाजपा के सुरेश बोरा 7,129 वोटों से आगे

नगांव (हिंस)। नगांव लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा 7,129 वोटों से आगे चल रहे हैं। सुरेश बोरा को 27855 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार प्रद्युत बरदलै को 20,726 वोट मिले हैं। प्रद्युत बरदलै भाजपा उम्मीदवार से 7,129 मतों से पीछे चल रहे हैं। एआईयूडीएफ उम्मीदवार अमीनुल इस्लाम को 1,767 वोट मिले। जबकि, निर्दलीय प्रत्याशी शिखा शर्मा को 239 वोट मिले हैं। नोटा में 434 मतदाताओं ने मतदान किया।

मेघालय : शिलांग सीट पर वीओटीपीपी एवं तुरा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की

शिलांग (हिंस)। मेघालय की दोनों लोक सभा सीटों के परिणाम चुनाव आयोग ने घोषित कर दिए हैं। शिलांग सीट पर वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी (वीओटीपीपी) पार्टी ने जीत हासिल की है। तुरा सीट पर लंबे अर्से के बाद कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की है। शिलांग सीट से वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी के उम्मीदवार डॉ. रिकी एंड्रयू जे. सिंगकोन 571078 मत प्राप्त कर जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार विन्सेन्ट एच. पाला को 371910 मतों के अंतर से पराजित किया है। विन्सेन्ट एच पाला को कुल 199168 मत मिले। तीसरे स्थान पर नेशनल पीपुल्स पार्टी के उम्मीदवार डॉ. माजेल अम्पारीन लिंगदोह रहे, उन्हें कुल 186488 मत मिले। इसी तरह यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार रॉबर्ट जून खरजाहरीन 44563, निर्दलीय उम्मीदवार प्रो. लाखन केएमए को 18582, निर्दलीय उम्मीदवार पीटर शालम को 7024 मत मिले, जबकि नोटा पर कुल 11008 मत पड़े हैं। इसी तरह तुरा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार सालेंग ए संगमा 383919 मत प्राप्त कर जीत हासिल की है। सालेंग ए संगमा ने एनपीपी उम्मीदवार अगाथा के संगमा को 155241 मतों से पराजित किया है। अगाथा के संगमा को कुल 228678 मत मिले हैं, जबकि टीएमसी उम्मीदवार जेनिथ एम संगमा को 48709, निर्दलीय उम्मीदवार लाबेन सीएच मराक को 6910 मत मिले हैं। नोटा पर 5840 मत पड़े हैं।

घिलामारा में सड़क हादसे में एक की मौत

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिला के घिलामारा में आज दोपहर हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा ढकुआखाना उपमंडल के घिलामरा थाना क्षेत्र के घाही गांव में राजमार्ग पर हुआ। घटना के विवरण के अनुसार, एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने घाही गांव राजमार्ग पर उस समय टक्कर मार दी, जब वह बाइक चला रहा था। हादसे में घिलामारा के उजनी फुकन गांव के दिगंत फुकन की मौत हो गई। बाइक (एएस-07वाई-2016) पर सवार होकर दिगंत बाइक से जा रहा था, तभी सामने से एक बोलेरो पिकअप वाहन ने उसे टक्कर मार दी और हाईवे पर ही उसकी मौत हो गई। घिलामारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर घायलों को अस्पताल भिजवाया। गांव के युवक की आकस्मिक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस बीच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर भेज दिया है।

अरुणाचल प्रदेश की दोनों सीटों पर खिला कमल, केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू जीते

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने 205417 मत प्राप्त कर जीत हासिल की

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की दोनों लोक सभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने जीत हासिल करते हुए कमल खिला दिया है। लोकसभा के साथ अरुणाचल में विधानसभा के भी चुनाव हुए थे। दो दिन पहले हुई गिनती में भाजपा राज्य की सत्ता को बचाने में सफल रही थी। विधानसभा चुनाव के परिणाम देखने के बाद से लोक सभा की दोनों सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही थी। अरुणाचल पश्चिम से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने 205417 मत प्राप्त कर भारी जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार नबाम तुकी को 100738 मतों के अंतर से हराया है। नबाम तुकी को कुल 104679 मत, निर्दलीय उम्मीदवार तेजी राणा को 33314, गण सुरक्षा पार्टी के उम्मीदवार टोको शीतल को 30530 मत, निर्दलीय उम्मीदवार बिमपाक सिगा को 11518 मत, निर्दलीय उम्मीदवार रुही टैगुंग को 7821 मत, निर्दलीय उम्मीदवार लेकी नोरबू को 2271, निर्दलीय उम्मीदवार तानिया जून को 1958 मत मिला है। नोटा पर कुल 2296 मत पड़े हैं। अरुणाचल पूर्व सीट से भाजपा उम्मीदवार तापीर गाओ ने 145581 मत प्राप्त कर जीत हासिल की है। तापीर गाओ ने कांग्रेस पार्टी के अपने निकटतम उम्मीदवार बोसीराम सिरण को 30421 मतों के अंतर से हराया है। बोसीराम सिरम को कुल 115160 मत, निर्दलीय उम्मीदवार तमात गामोह को 27603 मत, निर्दलीय उम्मीदवार सोताई क्री को 14213 मत, निर्दलीय उम्मीदवार ओमक नितिक को 9369 मत, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार बांडे मिलि को 6622 मत मिला है। नोटा पर कुल 4895 मत पड़े हैं।

मणिपुर में एनपीएफ एक पर और भाजपा दूसरे में आगे

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में एनपीएफ एक पर और भाजपा दूसरे सीट पर आगे चल रही है। मणिपुर के आउटर मणिपुर लोकसभा सीट से एनपीएफ उम्मीदवार कसुई टिमोथी जिमी आगे चल रहे हैं। उन्हें 67990 वोट मिले हैं।कांग्रेस उम्मीदवार अल्फ्रेड केएस अतहर को इस सीट पर 44,397 वोट मिले। इनर मणिपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार टीबी कुमार सिंह आगे चल रहे हैं।उन्हें 48607 वोट मिले हैं। भाजपा उम्मीदवार के विपरीत कांग्रेस उम्मीदवार ए बे अकैजान को 48,469 वोट मिले।

असम की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटों पर भाजपा गठबंधन बढ़त की ओर

गुवाहाटी (हिंस)। असम की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटों पर भाजपा गठबंधन बढ़त बना चुका है। एक सीट को छोड़कर सभी में भाजपा गठबंधन की बढ़त काफी अधिक है। कांग्रेस पार्टी तीन सीटों पर अच्छी खासी बढ़त बना चुकी है। मतों की गिनती अभी भी जारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा राज्य की 9 सीटों पर आगे चल रही हैं, जिसमें दरंग-उदालगुड़ी सीट से दिलीप सैकिया 117565 मत, गुवाहाटी से बिजुली कलिता मेधी 88826 मत, डिफू से अमरसिंग तिस्सो 25293 मत, करीमगंज से कृपनाथ मल्लाह 1245 मत, सिलचर से परिमल शुक्लाबैद्य 115563 मत, काजीरंगा से कामाख्या प्रसाद तासा 73051 मत, तेजपुर से रंजीत दत्ता 137523 मत, लखीमपुर से प्रदान बरुआ 80380 मत तथा डिब्रूगढ़ से सरबानंद सोनोवाल 120730 मतों से आगे चल रहे हैं। भाजपा की सहयोगी पार्टी यूपीपीएल की उम्मीदवार जयंता बसुमतारी कोकराझार से 22404 मतों से और अगप उम्मीदवार फणी भूषण चौधरी बरपेटा सीट पर 86679 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं। कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन धुबड़ी से 278545 मतों से, प्रद्युत बोर्दोलोई नगांव से 69987 मतों से एवं गौरव गोगोई जोरहाट से 64081 मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं।

तीताबर में माता-पिता के हमले में बेटे की मौत

जोरहाट (हिंस)। तीताबर में एक नृशंस हत्या हुई है। पुलिस ने आज बताया कि अपने मंझले बेटे की मदद से माता-पिता द्वारा सबसे बड़े बेटे की हत्या कर दी गई। खबरों के मुताबिक, जोगेन सैकिया नामक एक व्यक्ति ने अपने बेटे अनिल सैकिया को अपनी पत्नी मणि सैकिया की मदद से बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। जिसकी जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बीती रात मौत हो गई। पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार की रात घर में पिता और मां ने बेटे की पिटाई की थी। उस दिन, माता-पिता ने अपने मंझले बेटे की मदद से अपने बड़े बेटे और पीड़ित अनिल सैकिया के सिर पर बेरहमी से हथौड़े से वार किया। हमले से वह बेहोश हो गया था। सूचना मिलने पर तीताबर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल हालत में अनिल सैकिया को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन, बीती रात ईलाज के दौरान अनिल सैकिया की मौत हो गई। इस बीच, माता-पिता और मंझला बेटा भाग गए, लेकिन तीताबर पुलिस उसके पिता जोगेन सैकिया को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। जबकि, मां और मंजीत सैकिया अबतक फरार है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

त्रिपुरा की जनता ने सीपीआईएम कांग्रेस को किया खारिज : प्रदेश भाजपा

भाजपा के दोनों उम्मीदवार बिप्लब और कृति जीत की ओर

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा में भाजपा के दो उम्मीदवार बिप्लप कुमार देव और कृति सिंह देवी देबबर्मा ने सीपीआईएम-कांग्रेस के इंडी गठबंधन को काफी पीछे छोड़ दिया है। मतगणना के रुझानों से उत्साहित प्रदेश भाजपा ने कहा कि त्रिपुरा की जनता ने सीपीआईएम-कांग्रेस को खारिज कर दिया है। त्रिपुरा की दोनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवार भारी अंतर से आगे चल रहे हैं। इस संबंध में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा की जनता ने सीपीआईएम और कांग्रेस को खारिज कर दिया। चुनाव नतीजों पर टिप्पणी करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य की जनता ने वोटिंग के जरिए प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है। मतगणना के आंकड़ों के अनुसार पूर्वी त्रिपुरा सीट नंबर 2 पर कृति सिंह देवी देबबर्मा को 7,67,642 वोट मिले हैं जबकि इंडी गठबंधन के सीपीआईएम उम्मीदवार राजेंद्र रियांग को 2,87,547 वोट मिले हैं। इस प्रकार कृति सिंह 4,80095 वोटों के अंतर से आगे हैं। इसके अलावा, पश्चिमी त्रिपुरा सीट पर भाजपा उम्मीदवार बिप्लब कुमार देब को 8,65,342 वोट मिले हैं और वे अपने निकटतम प्रतिद्वंदी व इंडी गठबंधन की ओ से कांग्रेस उम्मीदवार आशीष कुमार साहा से 6,00,379 वोटों के अंतर से आगे हैं। साहा को 2,64,963 वोट मिले हैं।

डिब्रूगढ़ कारखाना में नए हाई स्पीड कैरियर कोच का निर्माण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) जोन ने अपने डिब्रूगढ़ कारखाना में पुराने जीएससीएन कोच से कुछ नए हाई स्पीड ऑटोमोबाइल कैरियर (एनएमजीएचएस) कोच का निर्माण किया है, जिसमें ऑटोमोबाइल विशेष रूप से दोपहिया वाहनों के लोडिंग/अनलोडिंग के लिए साइड डोर है। रेलवे बोर्ड से अनुमोदन मिलने के बाद अल्प समय-सीमा के भीतर तीन एनएमजीएचएस कोच का निर्माण किया गया है। अन्य तीन कोचों के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। भारतीय रेल में पहली बार ऑटोमोबाइल लोड करने के लिए इन कोचों को पारंपरिक रूप से फ्रेट कोचों की तुलना में कई बेहतर सुविधाओं के साथ पेश किया जा रहा है, जिसमें अधिक लोडिंग क्षमता के साथ बेहतर गति और पहुंच है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि पूसीरे द्वारा विकसित किए जा रहे एनएमजीएचएस कोच को अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा ऑटोमोबाइल निर्माताओं के परामर्श से रिलीज और अप्रयुक्त यात्री कोचों से डिजाइन किया गया था। डिब्रूगढ़ कारखाना द्वारा 12 टन वहन क्षमता के पारंपरिक माल सवारी कोचों की तुलना में 18 टन की उच्च पेलोड क्षमता वाली कुल तीन सवारी कोच तैयार किए जा रहे हैं। नए डिजाइन किए गए एनएमजीएचएस कोच की संभावित गति 110 किमी प्रति घंटा है, जिसमें व्यापक ओपेनिंग, प्राकृतिक पाइप लाइट, पेवमेंट मार्कर के साथ-साथ मार्गदर्शन के लिए रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप, चेकर्ड शीट के साथ मजबूत फर्श, सुचारू प्रवेश के लिए बेहतर फॉल प्लेट व्यवस्था के साथ-साथ आसान लॉकिंग के लिए बैरल लॉक के साथ अपग्रेडेड इंड डोर डिजाइन जैसी कई अन्य बेहतर विशेषताएं हैं। इन नए कोचों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बिना किसी नुकसान के कोच के अंदर चार पहिया ऑटोमोबाइल के दरवाजे भी आसानी से खोले जा सकते हैं। इन नए मॉडल के कोचों का उपयोग पैक किए गए सामग्रियों सहित विभिन्न वस्तुओं को ले जाने के लिए पार्सल वैन के रूप में भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल सड़क परिवहन की तुलना में अपने सस्ते, तेज और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के कारण ऑटोमोबाइल निर्माता के लिए परिवहन का एक पसंदीदा साधन बन गया है। विभिन्न प्रकार के ऑटोमोबाइल अब विनिर्माण संयंत्र से सभी पूर्वोत्तर राज्यों तक काफी कम कीमत पर रेलवे के माध्यम से सीधे पहुंचाए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप आम जनता लाभान्वित हो रही है।

संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के परिणाम का संदेश

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता जिस समय चुनाव आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास का वातावरण बनानेवाले बयान दे रहे हैं, तब भाजपा के पक्ष में जनता के विश्वास की झलक अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा परिणामों में दिखायी देती है। लोकसभा चुनाव के परिणाम आज आएंगे, उनकी भी एक झलक एग्जिट पोल में हम देख चुके हैं। इसी बीच लोकसभा चुनाव के साथ ही सम्पन्न हुए दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को आए। ये परिणाम भाजपा के पक्ष में बने वातावरण के गवाह तो है हीं, कई मुद्दों पर विपक्ष को भी आईना दिखाते हैं। 'एक देश-एक चुनाव' के विचार का विरोध करनेवाले विपक्ष को इन परिणामों से समझना चाहिए कि जनता अपने मताधिकार का उपयोग करने में बहुत समझदार है। उसे पता है कि राज्य के मुद्दे क्या हैं और केंद्र सरकार के मुद्दे क्या हैं? राज्य में उसकी अपेक्षाओं को कौन पूरा कर सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर देश को कौन संभाल सकता है। अरुणाचल प्रदेश में अवश्य ही जनता ने इतिहास रचते हुए तीसरी बार भाजपा को जनादेश दिया है। 60 में से 46 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिनमें से 10 सीट पर भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध जीते हैं। वहीं, कांग्रेस के हिस्से में केवल 1 सीट ही आई है। परंतु, सिक्किम में लोकसभा चुनाव की लहर का विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं दिख रहा है। यहाँ भाजपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी है। यहाँ एसकेएम ने एकतरफा जीत दर्ज की है। उसने 32 में से 31 सीट जीतकर इतिहास रचा है। राष्ट्रीय नेता के प्रभाव से भयभीत विपक्ष को इस बात का विश्लेषण करना चाहिए कि जनता ने विधानसभा और लोकसभा में किस आधार पर अलग-अलग दृष्टिकोण से मतदान किया। वहीं, कांग्रेस को चाहिए कि वह चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर संदेह करने की जगह आत्मचिंतन करे। चुनाव आयोग ने भी सोमवार को कांग्रेस के आचरण की तीखी आलोचना की है। दरअसल, कांग्रेस की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल आयोग के पास कुछ अनावश्यक आपत्तियां लेकर पहुँचा था और कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि गृहमंत्री अमित शाह ने देश के 150 से अधिक कलेक्टरों को फोन किया है। अर्थात्‌चुनाव में हस्तक्षेप के लिए गृहमंत्री की ओर से कलेक्टरों को फोन गया है। यह सीधेतौर पर चुनाव आयोग और भारतीय निर्वाचन प्रणाली के प्रति जनता के मन में अविश्वास निर्मित करने का हथकंडा है। चुनाव आयोग ने इस मनगढ़ंत आरोप के प्रमाण कांग्रेस से माँगे हैं। स्वाभाविक ही है कि कांग्रेस के पास इसके कोई प्रमाण नहीं होंगे क्योंकि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह आरोप लगाकर भाग जाती है। भाजपा ने उचित ही माँग की है कि चुनाव आयोग को झूठे आरोप लगानेवाले नेताओं एवं दलों के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहिए। अन्यथा विपक्षी दल इसी प्रकार से संवैधानिक व्यवस्था को लक्षित करते रहेंगे। यह भी कहा जा सकता है कि अपनी नाकामी को छुपाने एवं कांग्रेस की दुर्गति के दोषियों को आड़ देने के लिए कांग्रेस के नेताओं की ओर से चुनाव आयोग को बार-बार निशाने पर लिया जा रहा है। यदि पराजय की निष्पक्ष जाँच होगी, तब चुनाव की कमान संभालनेवाले बड़े नेताओं की कुशलता एवं नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े होंगे। परंतु इस प्रकार के हथकंड़ों से उन सवालों से तो बचा जा सकता है लेकिन पार्टी की स्थिति को नहीं सुधारा जा सकता और न ही जनता के विश्वास को अर्जित किया जा सकता है।

> लोकसभा चुनाव के परिणाम आज आएंगे, उनकी भी एक झलक एग्जिट पोल में हम देख चुके हैं। इसी बीच लोकसभा चुनाव के साथ ही सम्पन्न हुए दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को आए। ये परिणाम भाजपा के पक्ष में बने वातावरण के गवाह तो है हीं, कई मुद्दों पर विपक्ष को भी आईना दिखाते हैं। 'एक देश-एक चुनाव' के विचार का विरोध करनेवाले विपक्ष को इन परिणामों से समझना चाहिए कि जनता अपने मताधिकार का उपयोग करने में बहुत समझदार है। उसे पता है कि राज्य के मुद्दे क्या हैं और केंद्र सरकार के मुद्दे क्या हैं? राज्य में उसकी अपेक्षाओं को कौन पूरा कर सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर देश को कौन संभाल सकता है। अरुणाचल प्रदेश में अवश्य ही जनता ने इतिहास रचते हुए तीसरी बार भाजपा को जनादेश दिया है। 60 में से 46 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिनमें से 10 सीट पर भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध जीते हैं। वहीं, कांग्रेस के हिस्से में केवल 1 सीट ही आई है। परंतु, सिक्किम में लोकसभा चुनाव की लहर का विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं दिख रहा है। यहाँ भाजपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी है।

महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की गारंटी सबसे लुभावनी मुफ्तखोरी की स्कीमें बन चुकी हैं

कौन भुगतेगा चुनावी गारंटी का खामियाजा

डा. अश्वनी महाजन

> चुनावों में हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए राजनीतिक दल हर वर्ग को लुभाने की कवायद में लगे हैं। पूर्व में राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में चुनाव जीतने पर अपनी प्रस्तावित नीतियों संबंधी घोषणाएं करते रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़-दो दशक से राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीमों संबंधी घोषणाएं करने लगे हैं। कभी किसानों के ऋण माफी की घोषणा, तो कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, तो कभी सरकारी नौकरियों का वायदा आदि से शुरुआत हुई।

लोकसभा चुनावों की गर्मी चरम सीमा पर है। चुनावों में हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए राजनीतिक दल हर वर्ग को लुभाने की कवायद में लगे हैं। पूर्व में राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में चुनाव जीतने पर अपनी प्रस्तावित नीतियों संबंधी घोषणाएं करते रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़-दो दशक से राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीमों संबंधी घोषणाएं करने लगे हैं। कभी किसानों के ऋण माफी की घोषणा, तो कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, तो कभी सरकारी नौकरियों का वायदा आदि से शुरुआत हुई। लेकिन अब यह वादे, गारंटी का रूप ले चुके हैं। अब मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की गारंटी सबसे लुभावनी मुफ्तखोरी की स्कीमें बन चुकी हैं। हालांकि कुछ स्कीमों के द्वारा जनकल्याण की भावना को समझा जा सकता है, जैसे लिंग असंतुलन को दूर करने और महिलाओं में साक्षरता और शिक्षा को बढ़ाने हेतु लाडली योजना, किसानों की हालत सुधारने के लिए सस्ते इनपुट या उनकी उपज का अधिक मूल्य देने की गारंटी आदि कुछ ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं हैं जिनको न्यायसंगत कहा जा सकता है। लेकिन सभी लोगों को मुफ्त बिजली, पानी या यात्रा के फलस्वरूप सरकारों के बजट बिगड़ सकते हैं या सरकारों पर कर्ज बढ़ सकता है। गारंटियों के संदर्भ में हर राजनीतिक दल दूसरे से बढ़-चढक़र घोषणाएं कर रहा है। लेकिन वोटरों को लुभाने और येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने की कवायद में देश के कई राज्य पहले से ही लगातार कर्ज के बोझ में दबते जा रहे हैं और इस कारण जहां वे एक ओर तो अपने वायदे पूरी तरह निभा पाने में असफल हो रहे हैं, साथ ही उन राज्यों का विकास कार्य तथा आवश्यक सरकारी कामकाज तक प्रभावित हो रहे हैं।

अनेक राज्य हंप्रभावित : पंजाब में चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बिजली समेत कई घोषणाएं की। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद इनमें से कुछ घोषणाओं पर अमल हुआ, लेकिन आज स्थिति यह है कि सरकार पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ तो रहा ही है, उससे भी ज्यादा कर्ज लेने की कवायद चल रही है और केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि वो राज्य को पैसा नहीं दे रही। जबकि वास्तविकता यह है कि राज्य सरकारें वोट बटोरने की कवायद में गैर जिम्मेदारी से मुफ्तखोरी की स्कीमें चला रही हैं। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार,

झारखंड आदि में लगातार कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। उधर केंद्र सरकार राज्यों को और अधिक कर्ज लेने देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि यह 'एफआरबीएम अधिनियम' के खिलाफ है। जिन राज्यों पर मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण कर्ज बढ़ रहा है, वे अपने-अपने राज्य में आवश्यक खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। पंजाब में उद्योगों को बिजली इसलिए महंगी मिल रही है क्योंकि पंजाब सरकार लगभग 60 लाख लोगों को मुफ्त बिजली दे रही है। पंजाब में इंफ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। लंबे समय से विभिन्न सरकारों द्वारा दी जा रही मुफ्तखोरी स्कीमों के चलते पंजाब, जो एक समय देश का सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य था, वह 19वें स्थान पर खिसक चुका है। लगभग इसी प्रकार के हालात कर्ज में डूबे अन्य राज्यों में भी हैं। 2024 के आम चुनावों में अब तो बात हर साल प्रत्येक लाभार्थी परिवार को एक लाख रुपए देने तक आ गई है। अगर ऐसी पार्टी सत्ता में आती है तो ऐसी योजना का क्रियान्वयन भयावह हो सकता है। गौरतलब है कि 31 मार्च 2023 तक भारत में सरकारों (केंद्र और राज्य) पर कुल कर्ज (उनके द्वारा दी गई गारंटी सहित) 231.7 लाख करोड़ रुपए था, जो मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का 85.1 प्रतिशत था। इसमें से केंद्र सरकार का कुल कर्ज जीडीपी के 57.1 प्रतिशत के बराबर है और बाकी राज्य सरकारों (जीडीपी का लगभग 28 प्रतिशत) का है। हमें यह जानना होगा कि राज्य सरकारों के कर्ज का अनुपात पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकारों की गैरजिम्मेदाराना मुफ्तखोरी, सरकारों के समग्र ऋण में वृद्धि के कारण देश को परेशान कर रही है, और समग्र ऋण में यह वृद्धि के कारण अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रेटिंग घटाने का कारण बन रही है। **क्या गारंटियां राजकोष के संकट को बढ़ा सकती हैं :** समझना होगा कि केंद्र सरकार हो अथवा राज्य सरकारें, किसी भी सरकार के पास खर्च करने हेतु असीमित राजकोष नहीं होता। राजकोष मोटे तौर पर देश के लोगों की कर देने की क्षमता पर निर्भर करता है। लंबे समय से हमारा कर-जीडीपी अनुपात 17 प्रतिशत पर बना हुआ है, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए करों का अनुपात जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में करों की कुल प्राप्ति (निवल) का अनुमान मात्र 26.02 लाख करोड़ रुपए आंका गया है। ऐसे में कुल बजट, जो 47.66 लाख करोड़ रुपए का है, में 26.02 लाख करोड़ रुपए की कर प्राप्तियों और 4 लाख करोड़ रुपए की गैर कर राजस्व प्राप्तियों के बाद शेष राजकोषीय घाटा, जो लगभग 16.85 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें से अधिकांश पैसा उधार से प्राप्त होगा। यानी ज्यादा खर्च करने के लिए उधार के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। इसके अलावा यह भी समझना होगा कि अर्थशास्त्रियों का इस बारे में मतैक्य है कि कुल बजट के 75 प्रतिशत से अधिक का खर्च पूर्व निर्धारित मदों पर हो जाता है, जिसमें पूर्व में लिए गए ऋणों के मूल और ब्याज की अदायगी, वेतन और पेंशन, प्रतिरक्षा खर्च, कानून और व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंध, रखरखाव समेत अन्य जरूरी खर्च शामिल हैं। इसके बाद जो बचता है, उसे इंफ्रास्ट्रक्चर, कल्याणकारी योजनाओं, जैसे गरीबों के लिए घर, सार्वजनिक वितरण, मनरेगा, पेयजल, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला, बाल विकास कार्यक्रम, कृषि विकास, औद्योगिक विकास, अल्पसंख्यक आदि के कल्याण के लिए खर्च किया जाता है। जाहिर है कि यदि कांग्रेस द्वारा हाल ही में दी गई हर गरीब परिवार की चिन्हित महिला को 1 लाख रुपए देने की गारंटी को यदि लागू करना पड़ा तो उसका असर यह होगा कि कम से कम 10-12 लाख करोड़ रुपए उसके लिए उपलब्ध कराना होगा। ऐसे में उसका क्या असर होगा, यह समझा जा सकता है। पहला, सीमित कराधान के चलते, अपने निश्चित बजट में सबसे पहली कटौती पूंजीगत व्यय की होगी। यानी इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास, कृषि विकास और अन्य पूंजीगत व्यय को कम किया जाएगा। यदि इतिहास में देखें तो यूपीए के 10 सालों में कुल पूंजीगत व्यय वर्ष 2003-04 में 1.09 लाख करोड़ रुपए से बढक़र वर्ष 2013-14 तक 1.88 लाख करोड़ रुपए तक ही पहुंचा, यानी 72 प्रतिशत की वृद्धि। जबकि एनडीए यानी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह 2023-24 तक 10.01 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, यानी 433 प्रतिशत की वृद्धि।

दृष्टि कोण

उपायः ताकि दूर हो पानी की किल्लत

आर्थिक विकास के इंजन हैं, तो पानी उन्हें चलाने वाला एक बेहद जरूरी ईंधन। बढ़ती आबादी व तेज शहरीकरण ने स्वच्छ जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। अब महानगरों से निकलने वाले अपशिष्ट या प्रयुक्त जल प्रबंधन (यूज्ड वाटर मैनेजमेंट) को मुख्यधारा में लाना एक आशाजनक विकल्प बन गया है। अभी भारत अपने शहरों से निकले कुल अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के सिर्फ 28 प्रतिशत हिस्से का शोधन करता है। 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल का दैनिक बाजार मूल्य 63 करोड़ रुपये आंका गया था। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट ने पहला शहरी प्रयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक सामने रखा है। इसके माध्यम से प्रयुक्त जल प्रबंधन के मामले में 10 राज्यों के 503 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जहां प्रयुक्त जल के पुनः उपयोग की नीति लागू है। यह सूचकांक पांच विषयों-वित्त, बुनियादी ढांचा, कुशलता, प्रशासन, और आंकड़े व सूचना पर शहरी स्थानीय निकायों की एक तुलनात्मक रैंकिंग करता है। हमारा विश्लेषण बताता है कि शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के पानी की किल्लत का सामना करने वाले राज्यों ने प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं। इसकी वजह से सूचकांक में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इनमें हरियाणा शीर्ष पर है। इसके बाद कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और गुजरात हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्य भी पांच अंकों में से

सिर्फ क्रमशः 1.94 व 1.74 अंक ही पा सके। यह दर्शाता है कि पूरे देश में जल सुरक्षा पर उच्च प्राथमिकता के साथ काम करने की आवश्यकता है। शहरी निकायों में अपशिष्ट जल शोधन और उसके पुनः उपयोग की दिशा में पर्याप्त कदम उठाने की जरूरत है। जैसे, सूरत नगर निगम ने 2019 में शोधित अपशिष्ट जल के शोधन और पुनः उपयोग के लिए एक कार्य योजना अपनाई थी, जिसका लक्ष्य 2025 तक 70 प्रतिशत और 2030 तक 100 प्रतिशत पुनः उपयोग स्तर को पाना है। भारत के शहरी स्थानीय निकायों में प्रयुक्त जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान दिया जा सकता है। पहला-राज्यस्तरीय व्यापक कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इस मामले में हरियाणा से सीखा जा सकता है, जिसने 2014 से 2023 तक 73 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए 433 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। अभी 10 राज्यों ने ही शोधित प्रयुक्त जल नीति लागू की है। दूसरा-राज्यों को अपनी स्थानीय जरूरतों और मांगों के अनुरूप विशेष उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। धान उत्पादक पंजाब ने शोधित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी है। साथ ही कृषि को पुनः उपयोग के प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। सिंचाई के लिए 5,541 हेक्टेयर क्षेत्र तक शोधित अपशिष्ट जल पहुंचाने के लिए 2020 तक 94 करोड़ रुपये की लागत से 47 परियोजनाएं पूरी कर डाली थीं। तीसरा-राज्यों को प्रयुक्त जल प्रबंधन में एक-दूसरे से सीखने के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है।

यह पहल गुजरात जैसे राज्यों के लिए ज्यादा उपयोगी होगी। यहां के चार शहरी स्थानीय निकाय -सूरत, वडोदरा, राजकोट और जामनगर प्रयुक्त जल प्रबंधन में शीर्ष 10 शहरी निकायों में शामिल हैं, जबकि राज्य पांचवें स्थान पर है, जो राज्य के भीतर विभिन्न शहरी निकायों के प्रदर्शन में अंतर को दिखाता है। शोधित अपशिष्ट जल से व्यापक आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं। उदाहरण के लिए, वर्ष 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल को अगर चुनिंदा बागवानी फसलों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता, तो राष्ट्रीय स्तर पर 966 अरब रुपये का राजस्व पैदा कर सकता था।

कुछ अलग

मीडियाटेशन...

भारतीय मूल की विख्यात साहित्यकार झुम्पा लाहिड़ी अपने एक उपन्यास में कहती हैं कि अगर कोई व्यक्ति तीन पीढियों से एक ही जगह पर रहता आ रहा हो, तो उसका दिमाग आलू जैसा हो जाता है। मुझे उनकी इस उक्ति से सामंजस्य बिठाने में उस समय दिक्कत हो जाती है, जब मैं किसी ऐसे आदमी को देखता हूं जो सालों से यह दावा करता आ रहा हो कि उसने बचपन में चाय बेची थी, घर छोड़ दिया था और सालों हिमालय में तपस्या की। इतना ही नहीं, वह हर स्थान तथा व्यक्ति से नाता जोडने में उसी तरह माहिर हो, जैसे एक कांगड़ी कहावत है, 'जो ननंद का ननंदोई, वह मेरा भी टम्मकटोई।' जाहिर है ऐसा आदमी कभी भी तीन पीढियों से एक जगह पर नहीं रहा होगा। पर झुम्पा लाहिड़ी तीन पीढियों पर आकर रुक गईं। सात पीढियों तक नहीं पहुंची। अगर पहुंचती तो ऐसे आदमी से मिलने पर वह उसे आलू नहीं, रोड़ा या गिट्टी कहतीं। तीन पीढियों से एक ही जगह पर रहने से आदमी के आलू हो जाने की तरह छद्म आध्यात्मिकता के रंग में रंगा आर्यावर्त आज तक अपना बचकानापन छोडने में आलू ही सिद्ध हुआ है। हालांकि समय-समय पर बुद्ध, महावीर, शंकराचार्य, नानक या कबीर जैसे सिद्धों ने प्रयास अवश्य किए हैं। पर इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए आदिकाल से ही हिरण्यकश्यप, रावण, कालनेमि, मारीच, कंस, कृपालु महराज, राम रहीम, आसाराम जैसे लोग हर युग में धर्म और ध्यान के नाम पर लोगों को ठगते आ रहे हैं। 'मेडिटेशन' शब्द फ्रैंच भाषा के 'मेडिटैसिओन' और लैटिन के 'मेडिटेटियो' की एक क्रिया मेडिटरी से लिया गया है। ग्रेजी में मेडिटेशन का अर्थ है 'सोचना, विचार करना या योजना बनाना।' हिंदू और बौद्ध धर्म का ध्यान संस्कृत मूल के ध्याई से आया है, जिसका अर्थ चिंतन या ध्यान करना है। पर केदारनाथ और कन्याकुमारी के प्रथमाक्षर 'क' होने पर कई बार मुझे लगता है कि इन चुनावों में 'म' का सहारा किसी विशेष प्रयोजन से लिया गया है। हर रोज अठारह-अठारह घंटे काम करने वाले फैशनवीर कैमराजीवी को किसी तांत्रिक ने बताया होगा कि विपक्ष के मेनिफेस्टो से मुकाबला करने के लिए आप 'म' शब्द को बार-बार दोहराएं और आपातकाल में 'म' के पूर्ववर्ती अक्षर 'भ' का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसलिए 'म' से निकला मंगलसूत्र, मछली, मटन, मजहब, मुसलमान और मुजरे तक पहुंचने के बाद 'भ' से निकले भैंस तक जा पहुंचा। तांत्रिक के 'म' के टोटके से इस बार केदारनाथ का ध्यान 'मेडिटेशन' में बदल गया। पर मेडिटेशन में बैठते समय अगर कान में एक भी मच्छर भिनभिना जाए तो क्रांतिवीर फिल्म के नायक नाना पाटेकर के शब्दों में एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है। इसके बावजूद दस कैमरों और तीन हजार जवानों से घिरे अवतारी सभी चैनलों पर ध्यान का अभिनय करते दिखे। 'लाईट, कैमरा, एक्शन' के बाद आंखों पर चश्मा लगाए अवतारी का मेडिटेशन शुरू हुआ। पर मेरा अनुभव है कि दस दिशाओं में टंके दस कैमरे जब रील बना रहे हों तो मेडिटेशन का 'मीडियाटेशन' में बदलना स्वाभाविक है। हो सकता है कि मीडियाटेशन के समय आंखों पर चश्मा पहनने से दृश्य, दर्शक और दृष्टा का भेद समाप्त हो जाता हो या फिर ऐनक के शीशे में अनुभव स्पष्ट नजर आते हों। पर मुझे अभी तक यह समझ में नहीं आया कि मीडियाटेशन में विश्व गुरू घंटाल एक आंख खुली क्यों रखते हैं? हो सकता है कि मीडियाटेशन में यह देखना जरूरी हो कि सभी कैमरे काम कर रहे हैं या नहीं। या हो सकता है कि सामने लगी स्क्रीन में अवतारी पुरुष अपने को देखने का मोह न छोड़ पाए हों। पर नॉन-बॉयोलॉजिकल आदमी के लिए कुछ भी संभव है।

देश दुनीया से

भारत-चीन के बीच में सीमा संबंधी समझौतों में बदलाव की आवश्यकता

> चीन 1996 और 2010 के समझौताओ की शर्तो को बिल्वुल भी नहीं मान रहा है इसलिए अब चीन को साफ-साफ यह बताने का समय आ गया है कि किस प्रकार वह समझौते की शर्तो का उल्लंघन कर रहा है जिसको देखते हुए अब ऐसे समझौते किए जाने चाहिए जिनको चीन वास्तव में सम्मान दे। अभी वुछ समय पहले दिल्ली में प्रसिद्ध जनरल पी एस भगत व्याख्यान माला मेंअरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल टी के परनायक ने संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतो में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की आवश्यकता है। सेवानिवृत्ति से पहले जनरल प्परनायक भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जीओ सी-इं- सी रह चुके हैं।

इस सबको देखते हुए उन्होंने महसूस किया है कि चीन 1996 और 2010 के समझौताओ की शर्तो को बिल्वुल भी नहीं मान रहा है इसलिए अब चीन को साफ-साफ यह बताने का समय आ गया है कि किस प्रकार वह समझौते की शर्तो का उल्लंघन कर रहा है जिसको देखते हुए अब ऐसे समझौते किए जाने चाहिए जिनको चीन वास्तव में सम्मान दे। अभी वुछ समय पहले दिल्ली में प्रसिद्ध जनरल पी एस भगत व्याख्यान माला मेंअरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल टी के परनायक ने संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतो में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की आवश्यकता है। सेवानिवृत्ति से पहले जनरल प्परनायक भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जीओ सी-इं- सी रह चुके हैं। यह कमान -भारत चीन सीमा की रक्षा करती है। जैसा की सर्वविदित है चीन 1951 से ही भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहा है और अपनी विस्तारवादी नीति कोअपनाते हुए पड़ोसी देशों के क्षेत्रों पर कब्जा कर रहा है। इस नीति के द्वारा चीन ने 16 पड़ोसी देशों की जमीनों पर अवैध कब्जे कर लिए है। 1951 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन ने एक सड़क जी-21 का निर्माण किया जिसके द्वारा उसने चीन के मुख्य भाग को तिब्बत की राजधानी लाहसा से जोड़ा। इस सड़क का काफी हिस्सा लद्दाख के अकसाईंचिन से गुजरता है। परंतु इसकी सूचना भारत सरकार को 1954 में चल सकी इसके बाद भी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके बाद 1954 में फिर भी पंडित नेहरू ने चीन के साथ पंचशील समझौता किया जिसका नारा था हिदी चीनी भाईं-भाईं। भारत सरकार इस समझौते का अक्षरस पालन करती रही परंतु चीन ने इस समझौते को कभी नहीं माना और इसी व्राम में पहले उसने भारत के आक्साइचिन पर कब्जा किया और उसके बाद 1962 में अचानक भारत पर हमला कर दिया। जिसका भारतीय सेना मुकाबला नहीं कर सकी जिसके कारण चीन की सेना अक्साईंचिन से आगे भारतीय सीमा में अंदर आ गईं। भारत को 1947 में आजादी मिली थी और लंबी गुलामी के बाद भारत सरकार का पूरा ध्यान देश की जनकल्याण योजनाओं की तरफ गया जिससे सेना के विस्तार और उसके आधुनिकरण पर कोईं ध्यान नहीं दिया गया। चीन की घुसपैठ की हरकतों को देखते हुए 1958 में तत्कालीन सेना प्रमूख जनरल थिमैया ने पंडित नेहरू से सेना की तैयारी के लिए संसाधोनो की मांग की जिसको पंडित नेहरू ने पंचशील समझौते की आड़ में ठुकरा दिया। नेहरू के सेना और देश की रक्षा के प्रति इस रवैया को देखते हुए जनरल थीमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद चीन की नजर सिक्किम पर टिक गईं और उसने 1967 में सिक्किम पर कब्जा करने के लिए नाथुला पर हमला कर दिया। सिक्किम पर कब्जा करने के बाद चीन की भारत को उसके उत्तर पूवा राज्यों से जोड़ने वाले सिलिगुड़ी कॉरिडोर पर कब्जा करने की योजना थी। परंतु उस समय सेना की सिक्किम में तैनात 17 डिविजन के जीओसी मेजर जनरल सगत सिह थे जिन्होंने अपने अदम साहसऔर दृढ़ निाय से चीनी हमले का मुकाबला किया और चीनियों कोबुरी तरह से पीछे धकेल दिया। हालांकि इसके लिए उन्हें दिल्ली से सहमति नहीं मिली थी परंतु फिर भी उन्होंने चीन की चाल को नाकाम कर दिया। इसी ाम में चीन ने1986 में अरुणाचल प्रदेश के सोम द्रोङ्ग चु नाम की घाटी में हेलीपैड बनाने की कोशिश कीऔर इस कोशिश को भी भारतीय सेना ने जनरल सुंदर जी की कमान में नाकाम किया। चीन की इन हरकतों को देखते हुए दोनों देशों के बीच में शांति स्थापना के लिए बातचीत के दौर शुरू हुएऔर इसके परिणाम स्वरूप 1996 में विश्वास बहाली और सीमा पर शांति विश्वास बहाली के लिए एक समझौता किया गया जिसके अनुसार दोनों देशों के सैनिक सीमाओं के बीच में नोमैंस लैंड यानी सीमाओं के बीच वाली जमीन पर बिना हथियारों के ग्रस्त करेंगे। परंतु जून 2019 में पूरे विश्व ने देखा की किस प्रकार चीन ने इस समझौते की शर्तो को नकारते हुए गलवान में भारतीय सैनिकों पर कटीले तार लगे हुए लाठी डंडों से हमला किया। गलवान क्षेत्र में चीनी सेना वुछ अवैध निर्माण कर रही थी जिसके विवाद को सुलझाने के लिए दोनों सेनाओ की एक मीटिग इस क्षेत्र में निर्धारित की गईं थी। इसके लिएदोनों के दल यहां पर पहुंचे। 1996 के समझौते के अनुसार भारतीय सैनिक बगैर हथियारों के मीटिग स्थल पर पहुंचे परंतु चीनी सैनिक छुपा कर कटीले तार लगे हुए डंडे लेकर आए। मीटिग स्थल पर पहुंचते ही चीनी सैनिकों ने इन लाठी डंडों से भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। जिसका भारतीय सैनिकों ने वीरता से मुकाबला कियाऔर इस हमले में दोनों देशों के काफी सैनिक मारे गए। 2021 में अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों नेएक भारतीय सैनिक टुकड़ी पर इसी प्रकार हमला करने की कोशिश की और इसका भी गलवान की तरह भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया।

आप का नजरीया

सेर पर अब सवा सेर

हम जिसे सामान्य मानते या जिस आंख से सियासत को देखते हैं, उससे कहीं अलग देश के ढर्रे में लोकतंत्र का समाधान है। पहली जून को हिमाचल में छह उपचुनाव की कलाबाजियां, मतदान से पूरी हुईं तो अब बिसात पर तीन निर्दलीय विधायक रख दिए गए। बहुप्रतीक्षित लोकतांत्रिक फैसले की वैधता तीन जून को पूरी हो गई जब विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने तीन निर्दलीयों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए, यानी लोकसभा परिणामों की आहट में हिमाचल की गलियों में पुनः उपचुनाव की फुसफुसाहट शुरू हो गई। पहले ही तीन निर्दलीयों द्वारा इस्तीफा देना ऐसा आकस्मिक प्रहार था जो प्रदेश के सत्ता पक्ष से बहुत कुछ छीन गया, लेकिन अब इनका मंजूर होना 'सेर पर सवा सेर' होना है, यानी 'तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात' जैसा फैसला आगे की सियासत को रगड़ा लगा रहा है। आज फैसले का बड़ा दिन है और ऊंट की हर करवट पर परेशानी का सबब बन सकता है, लेकिन तीन निर्दलीयों की विदाई से विधानसभा गिनती में रिक्तियां सारा खेल बदल सकती हैं। बहरहाल देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर के विधानसभा से रुखसत होने से प्रदेश की हवाओं में सियासत का नमक फिर हलाल होने के लिए जनता की अदालत में जाएगा। व्यावहारिक रूप से चुनाव परिणामों के बावजूद विधानसभा 65 प्रतिनिधियों की रह जाएगी तथा बहुमत के लिए कांग्रेस को मात्र 33 विधायक चाहिएं। यह कोई अपूर्णीय क्षति नहीं हो सकती और आसानी से सुक्खू सरकार का टिकाऊ अंकगणित प्रभावी हो जाएगा। शुक्र यह कि विधायक डिसक्वालीफाई नहीं हुए, वरना चाल, चरित्र और चेहरे पर कई विराम लग जाते। यह दीगर है कि अब कसरतें पुनः देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ में सत्ता के संघर्ष को कठिन दौर में पहुंचाएंगी। जाहिर है लोकतंत्र कहीं न कहीं बंधक तो जरूर बन रहा है, वरना छह उपचुनाव न होते और अगर होने ही थे तो पूरे के पूरे नौ हो जाते, लेकिन 'बिजलियां तूफानों की हकीकत में रोशनी नहीं होतीं, यह तो दस्तूर है तेरे आंगन में खबर देने का।' हिमाचल में जनादेश के सारे पहलू गड्ड मड्ड से हैं। जो सवा साल पहले सोचा गया, वह आदेश बदल गया। आज के चुनाव परिणाम राजनीति को उसकी हैसियत और नेताओं को उनकी औकात बताएंगे। हिमाचल में लोकसभा की चार सीटों के परिणाम से भी गहरे असर में छह उपचुनाव कहे और सुने जाएंगे। आज चुनाव की कुछ आहुतियां पूर्ण होंगी, लेकिन पूर्णाहुति का मंत्र अभी फूंका जाएगा। प्रदेश की राजनीतिक उथल-पुथल में गोटियां भी कैसी-कैसी कि छह विधायक आज अपना रिपोर्ट बताएंगे, जबकि सिफर कर दिए गए तीन विधायक अब केवल भाजपा के लाल कहलाएंगे। एक और चुनाव के लिए तीन विधानसभा क्षेत्रों के गले में घंटियां तब तक बजती रहेंगी, जब तक उपचुनावों की नई पारी नहीं सजती। बहरहाल, अध्यक्ष के फैसले ने गिल्लियां उड़ाई जरूर, लेकिन मैच अभी जारी है। काफी कुछ आज आने वाले लोकसभा तथा विधानसभा के उपचुनावों से सामने आएगा। फिलहाल कहीं कोई खतरा नहीं, लेकिन सियासत के माध्यम से प्रदेश का और कितना चीरहरण हो सकता है, इसके ऊपर कोई रोक नहीं।

नीतीश के इंडी गठबंधन में जाने की बात का केसी त्यागी ने किया खंडन

पटना (हिंस)। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर चल रही मतगणना के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश के एक बार फिर इंडी गठबंधन में शामिल होने की चर्चा विपक्षी ने तेज कर दी है लेकिन जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इसका खंडन किया है। त्यागी ने कहा कि जदयू एनडीए का सबसे भरोसेमंद सहयोगी है। नीतीश कुमार को लेकर चल रही बातें पूर्ण रूप से भ्रामक हैं। उन्होंने शरद यादव के साथ जदयू नेताओं की वार्ता होने की खबरों का भी खंडन किया है। साथ ही कहा है कि नीतीश कुमार एनडीए में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन में फिर से शामिल कराने की जिम्मेदारी एनसीपी प्रमुख शरद पवार को दी गई है। यह भी कहा जा रहा है कि शरद ने जदयू के नेताओं से संपर्क कर इस दिशा में वार्ता की है। अंतिम चरण के मतदान से पूर्व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि चार जून के बाद हमारे चाचा जी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर से पलटी मारेंगे। उल्लेखनीय है कि जदयू बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। जदयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी, जिसमें से 14 सीटों पर लीड कर रही है।

वाराणसी : हार के बाद बोले अजय राय सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी नैतिक जीत

वाराणसी (हिंस)। लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय सीट से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को मतगणना के बाद मिली हार को सहर्ष स्वीकार किया है। भाजपा प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारी मतों के अंतर से मिलने वाली जीत की राह में पहाड़ बने अजय राय ने कहा कि सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी यह नैतिक जीत है। उन्होंने कहा कि सत्ता बल की धौंस और भारी धन बल के निवेश के मुकाबले काशी की महान जनता ने विपुल जन समर्थन का जितना आशीर्वाद मुझे दिया है, उसका मैं जीवन की अंतिम सांस तक ऋणी रहूंगा। मेरा जीवन काशी की सेवा को सतत समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि काशी ने मुझे जिस तरह दस लाख पार के दंभी नारे को औंधे मुंह कर भारी जनसमर्थन दिया, वह मेरी हार में भी जीत है। मैं और इंडी गठबंधन दलों के हमारे साथी इस लोकतांत्रिक युद्ध में निहत्थे पैदल थे। दूसरी ओर सत्ता की चकाचौंध एवं संसाधनों का सैलाब था। मंत्रियों से लेकर राज्यपालों तक की फौज मेरे खिलाफ काशी में घर-घर घूम रही थी। धन एवं सत्ता शक्ति के जबर्दस्त निवेश के बावजूद संकीर्ण जीत पाने में शीर्ष सत्ता नायक के दांत काशी की जनता ने खट्टे कर दिए। इंडी दलों के जांबाज कार्यकर्ता साथियों के साथ वाराणसी की जनता ने मेरा चुनाव खुद को ही अजय राय मानकर लड़ा। उनके इस विश्वास का मैं ऋणी हूं और हर सुख दु:ख में उनके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि हम मां गंगा की विनम्र संतान हैं और इस चुनाव में मां गंगा का संकेत साफ है कि काशी के सम्मान और हितों के विरुद्ध राजनीति काशी को गंवारा नहीं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मैं उत्तर प्रदेश में मिली कांग्रेस एवं सपा की जीत के साथ इंडी गठबंधन की भारी सफलता से अभिभूत हूं एवं प्रदेश की जनता का हृदय से आभारी हूं। उत्तर प्रदेश की जनता ने चार लाख मतों से राहुल गांधी को जिता कर और भारी अपव्यय के बाद भी नरेंद्र मोदी को डेढ़ लाख से कम वोटों से जीतने में पसीने छुड़ा कर यह सिद्ध कर दिया कि भारत मां की अपूर्व प्रदक्षिणा करने वाले राहुल गांधी नरेंद्र मोदी से बहुत बड़े जननायक हैं। अयोध्या की भाजपा की हार ने साबित कर दिया कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक इस्तेमाल लोकतंत्र को अमान्य है।

पूर्णिया से जीत के बाद बोले पप्पू यादव
नीतीश जी भारत को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन के साथ आएंगे

किशनगंज (हिंस)। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलयी उम्मीदवार पप्पू यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने जदयू के सिटिंग सांसद संतोष कुमार कुशवाहा को 50 हज़ार वोटों से पराजित किया। राजद की बीमा भारती तीसरे स्थान पर रहीं। जित के बाद पप्पू यादव ने कहा कि मैं चाहता हूं कि नीतीश कुमार जी बिहार को गौरवान्वित और भारत को बचाने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन के साथ आयेंगे। पूर्णिया से कुल 7 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। जीत के बाद मतदाताओं का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्णिया के सभी वर्गों का वोट उनको मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया के लोगों का यह क़र्ज़ वो कभी नहीं चुका पायेंगे। उन्होंने कहा कि देश में आईएनडीआईए गठबंधन की सरकार बनेगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार को गौरवान्वित करने और भारत को बचाने के लिए आईआईएनडीआईए गठबंधन के साथ आएंगे। हम पूर्णिया को पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने में कोई कमी नहीं रखेंगे। हम पहले भी आप सबसे कहते थे कि आईएनडीआईए गठबंधन सरकार बनायेगी। पप्पू यादव ने कहा की हम सबको हृदय से प्रणाम करते हैं। हम धन्यवाद देना चाहेंगे कुशवाहा जी को उन्होंने 10 साल पूर्णिया के एमपी के रूप में काम किए। जो भी आधे-अधूरे काम होंगे वो मैं करूंगा। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपनी बेटी बीमा भारती जी को। वो अलग बात है कि उनको नोटा के बराबर वोट आया है।

पर्यावरण संरक्षण बने जीवन की प्राथमिकता : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने सभी से पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाते हुए स्वच्छ पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने में सहभागिता का आह्वान किया है। राज्यपाल मिश्र ने कहा है कि पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने, बेतहाशा बढ़ते प्रदूषण को रोकने और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए प्रकृति के साथ मानवता का तादात्म्य जरूरी है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण और प्रकृति पोषण के लिए काम करने, विकास के साथ हरित भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया है।

लगातार दूसरी बार बड़े अंतर से अन्नपूर्णा देवी ने कोडरमा से जीत हासिल की

कोडरमा (हिंस)। कोडरमा संसदीय सीट से एनडीए की भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी लगातार दूसरी बार सांसद चुनी गईं हैं। उन्होंने महागठबंधन के माले प्रत्याशी विनोद सिंह को बड़े अंतर से हरा दिया है। अन्नपूर्णा देवी वर्ष 2019 में भाजपा में शामिल हुई थीं। उस समय कोडरमा से तत्कालीन सांसद रवींद्र राय का टिकट काटकर भाजपा ने अन्नपूर्णा देवी पर भरोसा जताया था और उन्हें यहां से उम्मीदवार बनाया था। कोडरमा से चार बार विधायक रह चुकीं अन्नपूर्णा देवी के पति रमेश प्रसाद यादव बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। पति के असामयिक निधन के बाद अन्नपूर्णा देवी ने राजनीति में कदम रखा। वर्ष 1998 के विधानसभा उपचुनाव और 2000, 2005 और 2009 के विधानसभा चुनाव में अन्नपूर्णा देवी ने बतौर राजद प्रत्याशी लगातार जीत हासिल की। झारखंड में साल 2013 में बनी हेमंत सोरेन की सरकार में अन्नपूर्णा देवी को मंत्री बनाया गया था। साल 2014 में उन्हें कोडरमा विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। अन्नपूर्णा देवी को तब भाजपा की नीरा यादव ने हराया था। वर्ष 2019 में कोडरमा लोकसभा सीट पर बतौर भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी

ने झाविमो प्रत्याशी बाबूलाल मरांडी को 04 लाख 55 हजार 600 मतों के अंतर से पराजित किया था। हालांकि, इस बार जीत का अंतर घट गया लेकिन जैसा आकलन किया जा रहा था, उससे कहीं अधिक अंतर से अन्नपूर्णा देवी ने जीत हासिल की है। भाजपा को यहां कुल 56 फीसदी वोट हासिल हुए जबकि भाकपा माले को 32 फीसदी वोट प्राप्त हुआ है।

अजमेर लोक सभा क्षेत्र से भाजपा के भागीरथ चौधरी की रिकार्ड जीत

अजमेर (हिंस)। अजमेर लोकसभा चुनाव सीट से भाजपा के भागीरथ चौधरी 3 लाख 29 हजार 991 से जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी को हराया। उनको 7 लाख 41 हजार 151 वोट मिले। कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी दूसरे नंबर पर रहे और उनको 4 लाख 13 हजार 685 मत मिले। पोस्टल बैलेट में भागीरथ चौधरी को 6311 मत मिले जबकि रामचंद्र चौधरी को 3786 मत मिले है। ऐसे में जीत का अंतर भी 3 लाख 29 हजार 991 रहा है। भागीरथ चौधरी पिछली बार 4 लाख 16 हजार 424 वोट से जीते थे। इस बार ये जीत का अंतर कम रहा। अजमेर में 19 लाख 95 हजार 699 वोटर में से 11 लाख 90 हजार 439 ने मतदान किया था, जो 59.65 प्रतिशत था। पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले अजमेर में इस बार वोटिंग प्रतिशत कम रहा। पिछली बार 67.32 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। गर्मी और मतदाताओं में उत्साह कम होने के कारण वोटिंग में 7.67 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उल्लेखनीय है कि भाजपा के भागीरथ चौधरी ने इतने बड़े अंतर से जीत तब दर्ज की है, जब चौधरी हाल ही में किशनगढ़ से विधानसभा चुनाव हार गए थे। 2018 के विधानसभा चुनाव में चौधरी का टिकट काट दिया गया था। जोरदार

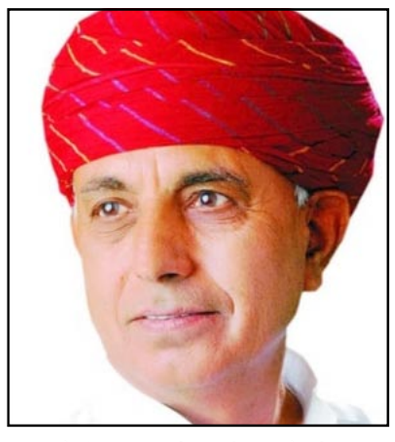

पहलू है कि 2019 में भागीरथ चौधरी सांसद तब बने जब उन्हें विधायक का टिकट नहीं मिला और इस बार सांसद तब बने जब विधानसभा का चुनाव हार गए। इसे भागीरथ चौधरी की तकदीर ही कहा जाएगा कि दोनों बार असफलता के बाद सफलता हासिल की है। चौधरी ने 8 विधानसभा क्षेत्रों में बहुमत हासिल किया है। चुनाव आयोग के आंकड़े बताते है कि चौधरी को किशनगढ़ से भी 51 हजार से भी ज्यादा वोटों की बढ़त मिली है। जबकि किशनगढ़ में कांग्रेस के विधायक है। यह सही है कि 8 में से 7 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के विधायक है। विधायक डॉ.प्रेमचंद बैरवा तो प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जबकि पुष्कर के विधायक सुरेश रावत कैबिनेट मंत्री है, अजमेर उत्तर के भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष हैं। भाजपा के सभी विधायकों ने भागीरथ चौधरी को जिताने में सहयोग किया। भागीरथ चौधरी को सर्वाधिक बढ़त किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से ही मिली है। यहां 51045 मतों की बढ़त प्राप्त की है। इसी प्रकार दूदू से 26 हजार 916, अजमेर उत्तर से 43 हजार 123, अजमेर दक्षिण 35 हजार 643, नसीराबाद से 41 हजार 397, मसूदा से 38 हजार 374, केकड़ी से 50 हजार 918 और पुष्कर से 43 हजार 536 मतों की बढ़त मिली है। भागीरथ चौधरी को 7 लाख 35 हजार से अधिक मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी को 4 लाख 12 हजार से अधिक वोट मिले। चुनाव जीतने के बाद भागीरथ चौधरी ने मतदाताओं का आभार प्रकट किया है। चौधरी ने कहा है ये जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत है। उन्होंने कहा कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने दिए इस्तीफा देने के संकेत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान भारतीय जनता पार्टी की अपेक्षा अनुरुप नतीजे नहीं आने के बाद राजनीतिक उठापटक भी तेज हो गई है। मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मतगणना पूर्व की गई घोषणा पर कायम रहते हुए सोशल मीडिया के जरिए इस्तीफा देने के संकेत दिए हैं। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई पोस्ट करते हुए लिखा- रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाई पर बचन न जाई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में प्रथम चरण मतदान के बाद आए रुझानों को देखते हुए घोषणा की थी कि यदि दौसा में भाजपा प्रत्याशी की हार होती है तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। मतगणना से एक दिन पूर्व उन्होंने कहा कि बाड़मेर-जैसलमेर जैसी कुछ सीटों पर संशय है। लेकिन मेरा मानना है कि दौसा सीट से भाजपा की जीत होनी चाहिए। मैंने प्रधानमंत्री के दौसा आने से पहले महुवा में बयान दिया था कि दौसा से भाजपा नहीं जीती तो इस्तीफा दे दूंगा। बाद में प्रधानमंत्री ने मुझे लिस्ट दी। ग्यारह में से सात सीटों पर मैंने ज्यादा मेहनत की। यदि भरतपुर, धौलपुर-करौली, दौसा, अलवर, जयपुर ग्रामीण, टोंक-सवाईमाधोपुर, कोटा-बूंदी लोकसभा सीट में से एक भी सीट भाजपा हारी तो इस्तीफा दे दूंगा। निर्वाचन विभाग के आंकडों के अनुसार भाजपा के कन्हैयालाल मीणा कांग्रेस के मुरालीलाल मीणा से दो लाख से अधिक वोटों से पीछे चल रहे हैं। किरोड़ी के इस्तीफे के सवाल पर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि वे अपने बात के पक्के आदमी है। शाम पांच बजे से पहले वे इस्तीफा दे देंगे।

हजारीबाग की सड़कों पर फूटे पटाखे जनता के बीच पहुंचे मनीष जायसवाल

रामगढ़ (हिंस)। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल की जीत लगभग सुनिश्चित होती हुई दिखाई दे रही है। वे लगातार बढ़त बनाते हुए वोट के अंतर को डेढ़ लाख से अधिक पहुंचा चुके हैं। मनीष जायसवाल अब आस्वस्त हो चुके हैं कि मतगणना पूरी होने के बाद औपचारिकताएं पूरी होगी और उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इससे पहले पार्टी कार्यकर्ता और जनता उन्हें बधाई देने पहुंच रहे हैं। मतगणना कक्ष के बाहर कैंप से निकलकर मनीष जायसवाल पार्टी कार्यकर्ता और जनता के बीच पहुंच चुके हैं। मनीष जायसवाल का स्वागत आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ता कर रहे हैं। सड़कों पर कई जगह पटाखे फोड़े गए हैं। कई जगहों पर कार्यकर्ता अबीर गुलाल लगाकर लोगों को जीत की बधाई दे रहे हैं। मनीष जायसवाल भी सभी कार्यकर्ता और आम जनता के प्रति आभार प्रकट कर रहे हैं।

अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए नरेंद्र मोदी को अपना नाम : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अब यह साफ हो गया है कि ना तो भाजपा को 370 सीटें मिल पाएंगी और ना ही एनडीए को 400 सीटें मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नरेंद्र मोदी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर लिखा कि 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी तरह अपने ऊपर केंद्रित किया। प्रचार में मोदी की गारंटी, फिर से मोदी सरकार जैसे जुमले भाजपा शब्द से ज्यादा सुनाई और दिखाई दिए। यहां तक की सांसद प्रत्याशियों को बाइपास कर पूरा चुनाव मोदी की गारंटी के नाम पर चला। चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, समाज में बढ़ता तनाव जैसे मुद्दे गौण हो गए और केवल मोदी-मोदी ही

सुनाई देने लगा। प्रधानमंत्री ने संसद में अपने नेतृत्व में भाजपा के 370 और एनडीए के 400 सीटें पार करने का दावा किया था। अब यह स्पष्ट हो गया है कि ना तो भाजपा को 370 सीटें मिल पाएंगी और ना ही एनडीए को 400 सीटें मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नरेंद्र मोदी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए।

टक्कर मारी और पलक झपकते ही पांच लाख के जेवरात ले उड़ी दो महिलाएं

गाजियाबाद (हिंस)। विजय नगर सेक्टर 11 में 2 महिलाएं एक महिला से सोने के जेवरात लूटकर फरार हो गई। जेवरात की कीमत करीब पांच लाख रुपए है। थाना विजय नगर छेत्र के सेक्टर 11 विजय नगर निवासी गुलफाम की पत्नी रुकसाना पप्पू ज्वेलर्स ए-ब्लॉक सेक्टर-11 के यहां से अपने सोने के जेवरात लेकर अपने घर सी ब्लॉक वापस लौट रही थी। जब वह उमा मॉडर्न स्कूल के सामने पहुंची तभी एक दोपहिया वाहन चालक ने रुकसाना को टक्कर मार दी। इसी दौरान दो महिलाओं ने रुकसाना को उठाया, लेकिन वे चकमा देकर जेवरात लेकर फरार हो गई। रुकसाना ने बताया कि लुटेरी महिलाएं उससे 4 सोने के कंगन, 1 सोने की चैन मय पेंडल और 2 झुमकी आदि छीन कर फरार हो गई। महिला के घर वालों ने 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। स्थानीय पुलिस छानबीन में जुटी। जेवरात की कीमत लगभग 5 लाख बताई जा रही है।

बिहार में नीतीश का जलवा बरकरार, विरोधियों को लगा बड़ा झटका

किशनगंज (हिंस)। बिहार में वोटों की गिनती जारी है। फिलहाल एनडीए बिहार में 33 सीटों पर लीड कर रही है लेकिन सियासी गलियारे में इस बात पर चर्चा होने लगी है कि बिहार में अब भी नीतीश कुमार का जलवा बरकरार है, क्योंकि ताजा रुझान जो सामने आ रहे है वो हैरान करने वाला है। लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल खड़े हो रहे थे। उनके एनडीए में शामिल होने पर कई तरह की बातें की जाने लगी थी लेकिन अब रूझान

सामने आने के बाद ये कहा जाने लगा है कि उनका जलवा अब भी बरकरार है। दरअसल, पहली बार ऐसा हुआ है कि जब बिहार में बीजेपी नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ी। बीजेपी ने 40 में से 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे जबकि जेडीयू के हिस्से में 16 सीटें आई थीं। 5 सीटों पर चिराग पासवान और एक सीट से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा भी एक सीट पर लड़ी। खबर लिखे जाने तक बीजेपी से कम सीटों पर चुनाव लड़कर भी जेडीयू गठबंधन में सबसे अधिक सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं तो यह नीतीश कुमार के लिए संजीवनी की तरह होगा। आप यहां गौर करे कि एग्जिट पोल अनुमानों में नीतीश कुमार की पार्टी को नुकसान के अनुमान जताए गए थे लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। गौरतलब है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू भी बीजेपी के बराबर यानी 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इनमें बीजेपी कोटे के सभी प्रत्याशियों की जीत हुई थी जेडीयू ने 16 सीटों पर फतह हासिल की थी।

लोस चुनाव : उन्नाव में साक्षी महाराज ने लगाई जीत की हैट्रिक

उन्नाव (हिंस)। उन्नाव संसदीय सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने इंडिया गठबंधन से सपा उम्मीदवार अन्नू टंडन को हराया है। साक्षी महाराज को 6, 07, 990 वोट मिले, जबकि इंडी गठबंधन को 5, 70, 656 वोट मिला है। 37, 334 वोट मिला हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने साक्षी महाराज को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा है। उल्लेखनीय है कि 2014 और 2019 के चुनाव में साक्षी महाराज ने भाजपा की टिकट पर यहां जीत का कमल खिलाया। 2014 में साक्षी महाराज ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अरुण शंकर शुक्ला को 3 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। वहीं 2019 में साक्षी महाराज दूसरी बार भाजपा की टिकट पर मैदान में उतरे। इस चुनाव में साक्षी महाराज ने सपा के साक्षी महाराज को 4 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

मुरादाबाद : सोमवार देर रात्रि तेज आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद में सोमवार देर रात्रि तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जो लगभग 15 से 20 मिनट तक जारी रही। इससे एक पखवाड़े से भीषण गर्मी झेल रहे लोगों ने कुछ राहत की सांस ली। मुरादाबाद में सोमवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आज सुबह से ही सूरज अपने प्रंचड रूप में आसमान में आ गया था। गर्मी की तपिश इतनी थी कि दिनभर कॉलोनी और मोहल्ले में सन्नाटा छाया रहा, बाजार सुनसान पड़े रहे। मजबूरन ही लोग घरों से निकले। सोमवार रात्रि साढ़े 11 बजे अचानक धूल भरी आंधी चलनी शुरू हो गई और देखते ही देखते ताबड़तोड़ बारिश शुरू हो गई। लगभग 15 मिनट हुई बारिश ससे मुरादाबाद के लोगों को मामूली सी राहत प्रचंड गर्मी से मिली। इस बार पढ़ रही झुलसा देने वाली गर्मी ने बीते कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राजकीय इंटर कॉलेज में मौसम प्रयोगशाला प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि सोमवार को मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद में अगले 8 से 10 दिन तक सूरज की भारी तपिश लोगों को झेलनी पड़ेगी। 10 जून के बाद कुछ राहत मिलने के आसार लग रहे हैं।

हाइवा की चपेट में आने से महिला की मौत

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत के वार्ड नंबर 2 में सोमवार की शाम हरसिद्धि सोनबरसा मुख्य मार्ग पर रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी की हाईवा गाड़ी की चपेट में आने से एक महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरसिद्धि के चिकित्सकों ने मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना से आक्रोशित लोगों ने आधे घंटे के लिए हरसिद्धि छपवा मुख्य मार्ग को भी जाम कर दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि सोनबरसा गांव वार्ड नंबर 10 निवासी श्री पटेल की पत्नी निर्मला पटेल हरसिद्धि से अपना इलाज करा कर बाइक सवार एक लड़के के साथ अपने घर सोनबरसा जा रही थी कि सोनबरसा की ओर से आ रही हाईवा गाड़ी की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं ग्रामीण के अनुसार सुगौली हाजीपुर रेल लाइन के निर्माण हेतु सोनबरसा मन (झील) से मिट्टी की कटाई हो रही है। रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी की हाईवा गाड़ी के द्वारा मिट्टी ले जाकर रेलवे लाइन के लिए भरी जा रही है जिस कारण सड़क पर मिट्टी गिरकर धूल हो जा रही है। उसे धूल को मिटाने के लिए लगातार कंपनी द्वारा सड़क पर पानी गिराया जा रहा है जिससे सड़क पर फिसलन अधिक हो गई है। जिससे बाईक का चक्का फिसल कर हाईवा की चपेट में आ गया और महिला की मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बहुत लापरवाही बरती जा रही है। आक्रोश में ग्रामीणों ने हरसिद्धि छपवा मुख्य मार्ग को आधे घंटे के लिए जाम कर दिया, लेकिन थानाध्यक्ष के समझाने से जाम तो हट गया पर हाईवा गाड़ी घटनास्थल पर खड़ी है और ग्रामीण कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक व ठेकेदार को बुलाकर समस्या का समाधान करने की बात कर रहे हैं। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार कंस्ट्रक्शन कंपनी के पदाधिकारी व ठेकेदार हरसिद्धि थाना पर पहुंचे हुए हैं दोनों ओर से वार्ता जारी है।

इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख को वित्त वर्ष 24 में मिले 66 करोड़, पिछले साल से 17 प्रतिशत बढ़ा वेतन

नई दिल्ली । इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख का सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2024 में 17.3 प्रतिशत बढ़कर 66.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। पारेख ने स्रङ्क23 में 56.4 करोड़ का वेतन प्राप्त किया था। पिछले वित्तीय वर्ष में उनका सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2022 की सैलरी 71.02 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 56.4 करोड़ रुपये रह गई थी। पारेख के पारिश्रमिक में फिक्स्ड पे, वेरिएबल पे, रिटायरल बेनिफिट्स और इस अवधि के दौरान स्टॉक इंसेंटिव मूल्य शामिल है। पारेख का कुल फिक्स्ड वेतन वित्तीय वर्ष 2023 में 7.12 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 7.47 करोड़ हो गया। उन्हें 18.73 करोड़ की तुलना में 19.75 करोड़ रुपये बोनस के रूप में दिए गए। पारेख के वेतन में 2,58,636 (प्रतिबंधित स्टॉक यूनिट) के जरिए जुटाए गए 39.03 करोड़ रुपये भी शामिल थे। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 23 के दौरान, पारेख के पारिश्रमिक में आरएसयू के जरिए 30.60 करोड़ रुपये जोड़े गए थे। इस बीच, कर्मचारियों का औसत वेतन क्रमश: वित्त वर्ष 2024 और वित्तीय 2023 में 9,77,868 रुपये और 9,00,012 रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में वित्तीय 2024 में एमआरई में वृद्धि 8.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन नंदन एम. नीलेकणि ने स्वेच्छा से कंपनी को दी गई अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया।

रुपया 26 पैसे गिरकर 83.40 डॉलर पर

मुंबई । लोकसभा चुनाव की मतगणना में मिले-जुले रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख से भी शुरुआती कारोबार में रुपये की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.14 पर बंद हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

भारत में 42,30,000 पैसेंजर वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री, कंपनियों का बाजार पर भरोसा हुआ मजबूत

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान भारत में 42,30,000 पैसेंजर वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के साथ वाहन कंपनियों का बाजार पर भरोसा मजबूत हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में रिकॉर्ड बिक्री से उत्साहित, देश के शीर्ष चार पैसेंजर कार (पीवी) निर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने का कमिटमेंट दिया है। मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), और जेएसडब्ल्यू-एमजी मोटर इंडिया जैसी कार निर्माताओं के निवेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मांग को पूरा करने के लिए इंटरनल कंबशन इंजन वाहनों की क्षमता का विस्तार करने के लिए आवंटित किया जाएगा शीर्ष कार निर्माताओं में शामिल मारुति सुजुकी, दशक के मध्य तक अपनी 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में नए उत्पाद लॉन्च और क्षमता विस्तार सहित विभिन्न पहलों में 10,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड, जिसने कैलेंडर ईयर 2023 और फाइनेंसियल ईयर 2023-24 में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री हासिल की है, मध्यम अवधि में 13,180 करोड़ रुपये खर्च करने की उत्सुकता इच्छा जताई है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, सोना 72,300, चांदी लगभग 92,200 हजार रुपए

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ ही हुई। सोने के वायदा भाव 72,300 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,200 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। हालांकि बाद में सोने-चांदी के वायदा भाव नरम पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 53 रुपये की गिरावट के साथ 72,150 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 91 रुपये की तेजी के साथ 72,294 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 74 रुपये की तेजी के साथ 92,107 रुपये पर खुला। इस समय यह 157 रुपये की तेजी के साथ 92,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए।

लोन सस्ता या महंगा होगा, रेपो रेट पर फैसला 7 जून को

मुंबई । देश में 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित कर दिए जाएंगे और ठीक उसके एक दिन बाद 5 जून से देश में रेपो रेट तय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधीन कार्यरत मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो जाएगी। अब इस बैठक में आरबीआई आम आदमी के लोन को महंगा करेगा, घटाएगा या फिर उसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं करेगा, इसका फैसला 7 जून को किया जाएगा। हालांकि संभावना यह जाहिर की जा रही है कि महंगाई और भू-राजनीतिक में व्याप्त तनाव की वजह से आरबीआई फिलहाल रेपो रेट में किसी प्रकार के बदलाव करने की जोखिम नहीं उठाएगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव की वजह से भारत समेत दुनिया भर में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। इस चुनौतीपूर्ण महौल में आरबीआई को महंगाई के स्तर पर 4 से 4.5 फीसदी के स्तर पर कायम रखना है। वहीं केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 से रेपो रेट में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया है। अब अगर आरबीआई 5 जून से होने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी करने या उसे घटाने का जोखिम उठाता है, तो दोनों ही स्थिति में खुदरा और थोक महंगाई को हवा मिल सकती है। यदि सात जून को ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया जाता है, तो यह यथास्थिति बनाए रखने का आठवां मौका होगा।

अदाणी वन व आईसीआईसीआई बैंक ने लॉन्च किया पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

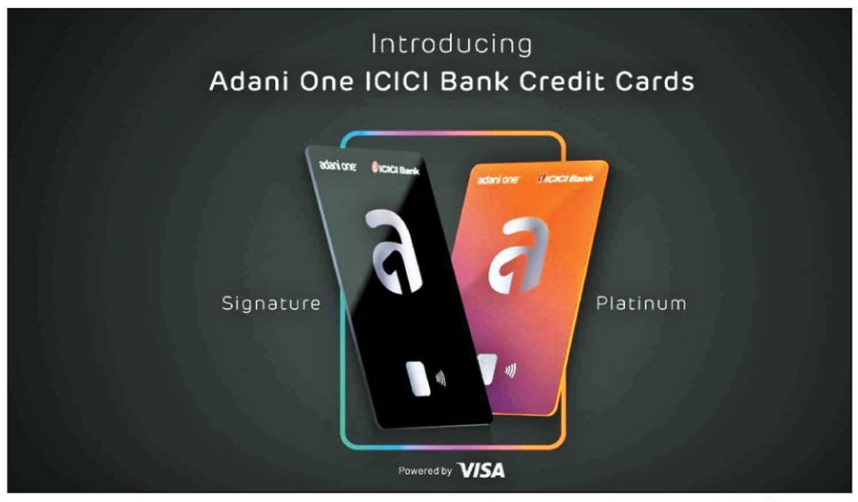

अहमदाबाद। अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने वीजा के साथ मिलकर भारत का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया। इसमें एयरपोर्ट से जुड़े कुछ खास फायदे हैं। ये कार्ड दो प्रकार के हैं। इसमें अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड शामिल है। दोनों कार्ड आकर्षक रिवार्ड्स भी देते हैं। ये कार्ड कार्ड होल्डर्स की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने और उनके एयरपोर्ट और ट्रैवल के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कार्ड्स अदाणी ग्रुप के कंज्यूमर इकोसिस्टम पर खर्च करने पर सात प्रतिशत तक के अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स देते हैं। जैसे कि अदाणी वन ऐप से फ्लाइट, होटल, ट्रेन, बस और कैब की बुकिंग करने पर, अदाणी समूह द्वारा संचालित एयरपोर्ट्स, अदाणी सीएनजी पंप, अदाणी बिजली के बिल और ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन की सेवा लेने पर ये रिवॉर्ड्स प्रदान किए जाते हैं।

इन कार्डों के जरिए फ्री एयर टिकट्स और एयरपोर्ट की सुविधाओं, जैसे कि प्रीमियम लाउंज का उपयोग, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सेवा, पोर्टर, वाहन सेवा और प्रीमियम कार पार्किंग का लाभ मिलता है। ये कार्ड यूजर्स को ड्यूटी फ्री दुकानों पर खरीदारी और एयरपोर्ट पर खाने-पीने पर छूट भी देते हैं। साथ ही नि:शुल्क मूवी टिकट और किराना सामान, यूटिलिटीज और अंतरराष्ट्रीय खर्च पर अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे लाभ भी मिलते हैं। यह साझेदारी, अदाणी समूह का फाइनेंसियल सेक्टर में पहला कदम है। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ मिलकर एक नया मानक स्थापित करने का इरादा रखता है। इस मौके पर अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया मानक स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटल इकोसिस्टम का रास्ता है। अदाणी वन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर यूजर्स को अद्वितीय सुविधा का अनुभव मिलेगा। आईसीआईसीआई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राकेश झा ने कहा, हम मानते हैं कि कस्टमर 360 पर हमारा फोकस, हमारे डिजिटल प्रोडक्ट्स, प्रक्रियाओं में सुधार और सेवा वितरण के समर्थन से हमें ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने और प्रमुख क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने की 6.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज, मई में सेल की 37 हजार से ज्यादा यूनिट

नई दिल्ली । दो पहिया वाहन निर्माता ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने 6.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते मई में 37,191 यूनिट सेल की हैं। वहीं मई 2023 में 35,000 से अधिक यूनिट की बिक्री हुई थी। ये कंपनी लगातार इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में नंबर-1 बना हुआ है। बीते महीने यानि की मई तक कंपनी की 49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रही है। नई एस1 एक्स रेंज की बिक्री के कारण भी ओला इलेक्ट्रिक की सेल में वृद्धि हुई है। इस रेंज के 2केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 74,999 रुपये, 3 केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 84,999 रुपये और 4 केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 99,999 रुपये एक्स-शोरूम हैं।एस1 एक्स रेंज के अलावा ओला इलेक्ट्रिक एस1 एक्स प्लस, एस1 एयर और एस1प्रो मॉडल की खुदरा बिक्री करती है, जिनकी कीमत क्रमशः 89,999 रुपये, 1.05 लाख रुपये और 1.30 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा- हम 49 प्रतिशत की अग्रणी बाजार हिस्सेदारी और हमारे पंजीकरण में लगातार वृद्धि के साथ भारत के इलेक्ट्रिक वाहन परिवर्तन के प्रयासों का नेतृत्व करना जारी रखते हैं। हमने हाल ही में अपने मास-मार्केट एस1 एक्स पोर्टफोलियो की डिलीवरी शुरू की है, जो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की हाई अपफ्रंट कॉस्ट को संबोधित करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है।

नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द होगा भारत में लॉन्च

नई दिल्ली । भारत में चाइनीज कंपनी ओप्पों अपना नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ये फोन पहला ऐसा फोन होगा जो कि आईपी69 रेटिंग के साथ आएगा। एक नए लीक से मालूम हुआ है कि फोन 13 जून को लॉन्च किया जा सकता है। टिप्सटर मुकुल शर्मा ने एक्स पर लॉन्च पोस्टर का हवाला देते हुए एक लीक के मुताबिक ओप्पो 13 जून को वेनिला वेरिएंट और एक दूसरे डिवाइस के साथ ओप्पो एफ27 प्रो+ लॉन्च करने के लिए भी तैयार हो सकता है। टिप्सटर का कहना है कि कंपनी आने वाले फोन के लिए आईपी66, आईपी68 या तो आईपी69 रेटिंग दे सकता है लेकिन फिलहाल ये क्लियर नहीं है कि किस फोन को क्या रेटिंग मिलेगी। शेयर की गई फोटो से ये भी पता चलता है कि ओप्पो एफ27 सीरीज़ डुअल टोन वेगन लेदर बैक के साथ-साथ पीछे की तरफ एक सर्कूलर कैमरा मॉड्यूल हो सकता है, जिसे इस साल कई और डिवाइसेस पर भी देखा गया है। हालांकि, ओप्पो कैमरा मॉड्यूल के चारों ओर एक मेटल रिंग ऐड कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओप्पो एफ27 प्रो में 6.7 इंच का ओलेड पैनल होने की उम्मीद की जा रही है, और ये 67वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 5,000एमएएच बैटरी से लैस हो सकता है। इस स्मार्टफोन में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 7050 चिपसेट होने की बात कही गई है। आने वाले ओप्पो के नए फोन के रियर पर ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसमें 64 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल का मैक्रो शूटर शामिल है। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 32 मेगापिक्सल का कैमरा होने की बात सामने आई है। उम्मीद है कि नई ओप्पो एफ27 सीरीज़ एफ25 प्रो की जगह लेगी जिसने इस साल की शुरुआत में भारत में एंट्री की थी।

बायजू अपने कलेक्शन से देगा कर्मचारियों को मई का वेतन, क्रेडिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली। संकटग्रस्त एडटेक कंपनी बायजू मई महीने का वेतन अपने कर्मचारियों को दे सकता है। पिछले कुछ महीनों में वित्तीय संकट के कारण कंपनी को कई बार कर्मचारियों के वेतन में देरी करनी पड़ी है, जिस कारण कंपनी पर कई मुकदमे भी हुए हैं। बताया कि मई महीने का वेतन प्रोसेस कर दिया गया है और कर्मचारियों के खातों में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यह वेतन अपने कलेक्शन में से दिया है। अपने मासिक कलेक्शन से वेतन देना कंपनी की क्षमता को दिखाता है। यह बताता है कि कंपनी द्वारा हाल में लिए फैसलों का सकारात्मक असर हुआ है इससे उसकी वित्तीय सेहत सुधरी है। इस संबंध में संपर्क करने पर कंपनी ने खबर लिखे जाने तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बायजू पिछले कुछ महीने से कर्मचारियों को वेतन भुगतान के लिए संघर्ष कर रही है। अभी भी हजारों कर्मचारियों का फरवरी और मार्च का वेतन बकाया है। कंपनी ने अब कम से कम अगले छह महीनों के लिए समय पर वेतन देने की योजना तैयार की

है। बायजू के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर जिनी थातिल का कहना है कि फरवरी और मार्च के बकाया वेतन का भुगतान 15 से 30 जून के बीच कर दिया जाएगा। किसी परिस्थिति में 8 जुलाई तक भुगतान जरूर कर दिया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि अगले छह महीने तक उन्हें वेतन में देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वित्तीय संकट के कारण अप्रैल में बायजू ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे, 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं। सात अक्टूबर, 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने

और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। उन्नीस मई, 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को हटाये जाने के बाद 2000 रुपये के बैंक नोट लाये गये थे।

मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में बढ़त जारी, मई में पीएमआई 57.5

नई दिल्ली। भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की वृद्धि दर में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखने को मिली है और मई में यह तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक निजी कंपनी की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स गिरकर 57.5 रह गई है, जो कि अप्रैल में 58.8 अंक पर थी।

सर्वे में बताया गया कि पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना है।

बता दें, जब भी पीएमआई 50 के ऊपर होता है, तो दिखाता है कि गतिविधियों में तेजी आ रही है। वहीं, जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है। इसका उल्टा होता है।

एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही है, हालांकि नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विस्तार की गति धीमी रही। पैनलिस्टों ने

मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को एक कारण बताया है, जिसका उत्पादन की मात्रा उत्पादन पर असर हो सकता है।

दास ने कहा कि इसके विपरीत, नए निर्यात ऑर्डर 13 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़े हैं।

सर्वे में बताया गया है कि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई है, हालांकि ये पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। मजबूत मांग, मार्केटिंग प्रयासों में वृद्धि और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के कारण ऑर्डर की संख्या में इजाफा हुआ है।

मई में निर्यात में तेजी वृद्धि हुई है। ये 13 वर्षों में सबसे अधिक थी। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स में भी सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजह आर्थिक गतिविधियां का अच्छा होना और मांग बने रहना है।

वहीं, मई की बिक्री की स्थिति भी अच्छी बनी हुई है और जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अधिक होने के कारण नौकरी के अधिक अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि, कच्चे माल की लागत बढ़ने और ढुलाई महंगी होने के कारण सभी उत्पादनकर्ताओं के लिए लागत बढ़ गई है।

सर्वे में महंगाई को लेकर कहा गया कि लंबी अवधि के औसत के मुकाबले महंगाई की दर कम है। लागत बढ़ने के कारण कंपनियों ने मई में अपने उत्पादों के दाम में इजाफा किया है।

फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर भारतीय दूतावास ने चेताया, थाई सीमा पर अपराध सिंडिकेट सक्रिय

यंगून। म्यांमार में भारतीय दूतावास ने नौकरी की तलाश कर रहे भारतीयों को आगाह किया है कि वे फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर सावधान रहें और अवैध रोजगार के लालच में न फंसें। दूतावास की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट सक्रिय है और कोई भी नौकरी की पेशकश स्वीकारने से पहले सावधानी बरतें। दूतावास ने कहा, म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का शिकार बनने वाले भारतीय नागरिकों की संख्याओं में वृद्धि हुई है। इसमें यह भी सलाह दी गई है कि कोई भी नौकरी स्वीकारने से पहले संबंधित दूतावास से जरूर संपर्क करें। मायावाड्डी शहर के दक्षिण में फा लू क्षेत्र में एक नया स्थान हाल ही में सामने आया है, जहां अधिकांश भारतीय पीड़ितों को भारत के साथ-साथ मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से भर्ती करने के बाद थाईलैंड के माध्यम से तस्करी की जा रही है। दूतावास ने भारतीयों से सोशल मीडिया के माध्यम से की गई नौकरी की पेशकश को स्वीकार नहीं करने का आग्रह किया।

बजरंग पूनिया को राहत, एडीडीपी ने आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया

नई दिल्ली ।
नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने पहलवान बजरंग पूनिया को आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया। नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय ने यही कार्रवाई की थी।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग पुनिया पर लगाए गए अस्थाई निलंबन को रद्द कर दिया। अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया है। बजरंग ने इसी साल मार्च में सिलेक्शन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय ने यही कार्रवाई की थी।

बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग एक मुकाबला हारने के बाद अपना यूरीन सैंपल दिए बिना ही उस स्थान से चले गए थे। उन्होंने तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में हिस्सा ही नहीं लिया था।

बजरंग ने अपने वकीलों के जरिए निलंबन को चुनौती दी थी और एडीडीपी को अपने जवाब में दोहराया था कि उन्होंने कभी भी सैंपल देने से इनकार नहीं किया था, बल्कि सिर्फ यह जानने की मांग की थी कि नाडा ने दिसंबर 2023 में उनका सैंपल लेने के लिए एक्सपायरी डेट वाली सैंपल किट क्यों भेजी थी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने अब तक उनके इस प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं दिया है। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, एथलीट का अस्थाई निलंबन तब तक के लिए रद्द किया जाता है जब तक कि नाडा एथलीट को डोपिंग निरोधक नियम, 2021 के उल्लंघन के लिए औपचारिक रूप से आरोप लगाने का नोटिस जारी करने का फैसला नहीं करता। सुनवाई पैनल की राय है कि इस स्तर पर जब एथलीट को आरोप का नोटिस जारी किया जाना बाकी है और नमूना देने से इनकार करने के लिए एथलीट द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण/औचित्य के गुण-दोष पर विचार किए बिना और नाडा की ओर से पेश वकील की दलील का जवाब दिए बिना निलंबित किया जाना ठीक नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

न्यूयॉर्क की पिच टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं : इरफान पठान, यहीं होना है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

न्यूयॉर्क । पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। पठान के अनुसार इस मैच में जिस प्रकार से कम स्कोर बना है। उससे पता चलता है कि यहां बल्लेबाजी कठिन है और ये आईसीसी मानको के अनुसार खेलने के अनुकूल नहीं है। इस मैदान पर श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन ही बना पायी। इस मैदान पर श्रीलंकाई बल्लेबाज समझ नहीं पाये कि प्रोटियाज गेंदबाजी आक्रमण का सामना कैसे करना है। यहां श्रीलंकाई टीम सबसे कम स्कोर बना पायी। उसके बल्लेबाज कुसल मेंडिस, कामिंडू मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज दो अंक तक ही पहुंच पाये। केवल कुशल ही सबसे अधिक 19 रन बना पाये। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे हावी रहे। यहां पहली पारी के बाद इरफान ने कहा कि न्यूयॉर्क की पिच किसी भी तरह से टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं है। इरफान ने कहा, टी20 क्रिकेट के लिए ये आदर्श पिच नहीं है। साथ ही कहा कि न्यूयॉर्क में इसी मैदान पर भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होना है। ऐसे में इस मैदान को लेकर एक बार फिर विचार किया जाना चाहिये। यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम रन नहीं बना पायी। पावरप्ले में टीम ने केवल 24 रन ही बनाए। पावरप्ले के बाद भी वे कभी भी गति नहीं दिखा पाए। नॉर्टजे ने सात रन देकर सबसे अधिक चार विकेट लिए।

इस पाक ऑलराउंडर से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को 9 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप

क्रिकेट टूर्नामेंट में ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद से सावधान रहना होगा। इफ्तिखार मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख मोड़ देता है। ऐसे में भारतीय टीम को टीम कप्तानी बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान से ज्यादा खतरा इफ्तिखार से है। इफ्तिखार तेजी से रन बनाने में माहिर होने के कारण कुछ देर में ही मैच के रुख को बदल सकता है। इस बल्लेबाज ने अब तक अबतक कुल 64 टी20 मुकाबलों की 53 पारियों में 25.0 की औसत से 975 रन बनाये हैं। इफ्तिखार को अक्सर निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखा जाता है। अगर उन्हें उपरी क्रम में बल्लेबाजी का मौका मिलता तो उनके रनों का आंकड़ा और बढ़ सकता था। इफ्तिखार बल्ले से ही नहीं गेंद से भी मैच का रुख बदलने में सक्षम हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अबतक टी20 की 23 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए हैं। अहम बात यह है कि उन्होंने इस दौरान केवल 7.04 की इकोनॉमी से रन दिये हैं। इफ्तिखार ने भारत के खिलाफ अबतक कुल 3 टी20 मुकाबलों में भाग लिया है। उसमें इस क्रिकेटर ने 3 पारियों में 40.50 की औसत और 142.10 की स्ट्राइक रेट से 81 रन बनाये हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 51 रन का रहा है।

महिला टी20 विश्वकप में भारत, श्रीलंकाई और ऑस्ट्रेलिया को एक ही ग्रुप मिला

नई दिल्ली । बांग्लादेश की मेजबानी में 3 अक्टूबर से शुरु होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट 2024 के लिए श्रीलंकाई टीम भी भारत के साथ ग्रुप ए में शामिल हुई है। श्रीलंकाई टीम ने लगातार 6 मैच जीतकर प्रवेश हासिल किया है। इस टूर्नामेंट में 8 टीमों को सीधे ही प्रवेश मिला है जबकि 2 टीमें क्वालीफायर राउंड जीतकर यहां तक पहुंची हैं। टी20 विश्व कप 2024 के क्वालीफायर राउंड में श्रीलंकाई टीम ने स्कॉटलैंड को हराया। ग्रुप एक में भारत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप बी में स्कॉटलैंड मेजबान बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम रहेंगी। भारतीय टीम टी20 विश्वकप में अपना पहला मैच 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम का मुकाबला 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। वहीं 9 अक्टूबर को वह श्रीलंका और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। इस बार विश्व कप में कुल 10 टीमों के बीच 19 दिन में फाइनल सहित कुल 23 मैच खेले जाएंगे।

अफगानिस्तान की टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी सबसे बड़ी जीत

युगांडा को 125 रन से हराया ; फारूकी को 5 विकेट, गुरबाज-जादरान के अर्धशतक

नई दिल्ली ।
16 ओवर में महज 58 रन और पूरी टीम ऑलआउट। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का चौथा सबसे छोटा टीम टोटल है, जो युगांडा ने अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में युगांडा ने गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन बनाए और 184 रन का टारगेट दिया। जवाब में युगांडा 16 ओवर में 58 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रन से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की रनों के हिसाब से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, टीम ने 2021 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड को 130 रन से हराया था। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी ने 5 विकेट झटके।

यह टूर्नामेंट का चौथा बेस्ट बॉलिंग फिगर है। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

1. मैच विनर

फजलहक फारूकी - अपने स्पेल के 4 ओवर में 9 रन देकर 5 विकेट लिए। इस दौरान फारूकी की इकोनॉमी 2.25 की रही। यह किसी अफगानी गेंदबाज का टी-20 वर्ल्ड कप में किया गया ऑलटाइम बेस्ट परफार्मेंस है।

2. जीत के हीरोज

गुरबाज-जादरान की ओपनिंग पार्टनरशिप : अफगानिस्तान के लिए रहमानुल्लाह गुरबाज (76) और इब्राहिम जादरान (70) ने अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप है।

नवीन-उल-हक का शानदार स्पेल : मैच में नवीन-उल-हक का स्पेल भी शानदार रहा। उन्होंने 2 ओवर में 2.00 की इकोनॉमी रेट से महज 4 रन दिए। साथ ही दो विकेट भी झटके। उन्होंने दिनेश नकरानी और अल्पेश रामजानी को आउट किया।

3. फाइटर ऑफ द मैच : युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टीम की ओर से शानदार बॉलिंग की। अपने 4 ओवर में 21 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान की 154 रन की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद नजीबुल्लाह जादरान को उनके 2 रन के स्कोर पर आउट कर दिया।

अफगानिस्तान की पारी : गुरबाज-जादरान के बीच 154 रन की साझेदारी - अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई। इन दोनों बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान की तरफ से टी-20 वर्ल्ड कप में शतकीय साझेदारी हुई। अफगानिस्तान के लिए गुरबाज ने 45 गेंदों पर 4 चौके और 4 छक्के की मदद से सबसे ज्यादा 76 रन और जादरान ने 46 गेंदों पर 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 70 रन बनाए। युगांडा के लिए ब्रायन मसाबा और कोसमस क्यवुता ने दो-दो विकेट झटके।

युगांडा की पारी : फारूकी ने 5 विकेट झटके - रियाजत अली शाह और रॉबिन्सन ओबुया के अलावा युगांडा का कोई और बल्लेबाज दहाई के आंकड़ा तक नहीं पहुंच सका। युगांडा के लिए रॉबिंसन ने सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी ने 5 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। फारूकी के अलावा नवीन उल हक और कसान राशिद खान ने दो-दो विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

अफगानिस्तान : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नईब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, नजीबुल्लाह जादरान, करीम जनत, मुजीब उर रहमान, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

युगांडा : ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाजी (विकेट कीपर), रोजर मुकासा, रौनक पटेल, रियाजत अली शाह, दिनेश नकरानी, अल्पेश रामजानी, रॉबिन्सन ओबुया, बिलाल हसन, कॉसमास क्यवुता और हेनरी सेन्योंडो।

नोवाक जोकोविच ने इस मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस ।
सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रांसिसको सेरूंडोलो को हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने इस तरह ग्रैंडस्लैम में अपनी 370वीं जीत दर्ज की। उन्होंने ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में सर्वाधिक जीत दर्ज करने के मामले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। फेडरर ने अपने करियर में 369 ग्रैंडस्लैम मुकाबले जीते थे।

दर्द से जूझने के बावजूद दर्ज की जीत दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराया। दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था।

मिनौर का सामना ज्वेरेव से होगा

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 यूएस ओपन चैंपियन डेनिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं, ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-2 से मात दी।

बोपन्ना-एबडेन ने बालाजी-वारेला को सुपर टाइब्रेकर में हराया, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस ।
भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस अनुभवी जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और एमए रेयेस वारेला मार्तिनेज की जोड़ी को सुपर टाइब्रेकर में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तीसरे दौर में 6-7, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की।

पिछड़ने के बाद की वापसी

पहले सेट में बालाजी और मैक्सिको के रेयेस ने 5-4 की बढ़त बना ली थी। उनके पास सेट जीतने का सुनहरा मौका था जब एबडेन का फोरहैंड पर शॉट बाहर निकल गया, लेकिन

बालाजी ने भी यही गलती की। पहले सेट का फैसला टाइब्रेकर पर हुआ जिसमें बालाजी और रेयेस ने बाजी मारी। इसके बाद से हालांकि बोपन्ना और एबडेन ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला तीसरे सेट तक गया। इसमें बोपन्ना और एबडेन का अनुभव काम आया और विनर लगाकर एबडेन ने जीत पर मुहर लगा दी।

पेरिस ओलंपिक में बालाजी को जोड़ीदार बना सकते हैं बोपन्ना

बोपन्ना ने अभी तक पेरिस ओलंपिक के लिये अपने जोड़ीदार का चयन नहीं किया है। बालाजी ने जरूर उन्हें अपने खेल से प्रभावित किया होगा। शीर्ष-10 में होने के कारण बोपन्ना ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं।

रमन ने टी20 विश्व कप के लिए चार स्पिनरों को रखे जाने को सही बताया

चेन्नई ।
पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चार स्पिनरों को रखे जाने के फैसले को सही बताया है। रमन ने कहा कि वेस्टइंडीज की पिचों को देखते हुए वहां स्पिनर प्रभावी रहेंगे। भारतीय टीम मे विश्वकप के लिए रविन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारत की ओर से 11 टेस्ट और 27 एकदिवसीय खेलने वाले रमन ने कहा, 'यह मत भूलिए कि काफी सोच-विचार करके ऐसा किया गया होगा। इन खिलाड़ियों को शामिल करने के पीछे पर्याप्त तर्क और विचार रहे होंगे। इन दिनों वेस्टइंडीज की पिचों को स्पिनरों के लिए अधिक अनुकूल पाया गया है। इसके अलावा स्पिनरों ने भारत में अच्छी ठोस-सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन किया है, इसने चयनकर्ताओं को लग रहा है कि तेज गेंदबाजों की जगह स्पिनरों के साथ उतरना बेहतर रहेगा।

रमन ने कहा कि इस भारतीय टीम में कुछ शानदार प्रतिभाओं हैं जिससे टीम के पास खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, 'इसकी बहुत अच्छी संभावना है। हमारे पास कई शानदार क्रिकेटर हैं जो अपने दिन पर मैच विजेता बना सकते हैं।

आईपीएल और विश्वकप के बीच कम अंतर को लेकर रमन ने कहा कि इससे खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह पर्याप्त समय नहीं है, वहीं कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह बहुत लंबा ब्रेक है और वे लय में नहीं हैं। इसलिए ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे सभी पसंद करें। उन्होंने कहा, 'आज के क्रिकेटर काफी फिट हैं और बिना रुके खेलने के आदी हैं। इसलिए वे हालातों का सामना कर लेंगे। रमन ने क्रिकेट को दुनिया भर में ले जाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह ऐसी चीज है जिस पर आईसीसी विचार करेगा।। उन्होंने नये कोच के तौर पर गौतम गंभीर के नाम का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'वह निश्चित रूप से ऐसा व्यक्ति होगा जो जानता है कि क्या करना है। वह क्या करेगा और क्या नहीं, यह मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता। रमन ने कहा, 'लेकिन जहां तक उसकी क्षमता का सवाल है, वह अच्छा है। वह आईपीएल में एक अच्छा कप्तान भी रहा है और वह एक अच्छा रणनीतिकार भी है।

15वीं बार चैंपियंस लीग जीतने वाली रियल मैड्रिड में शामिल हुए एम्बाप्पे, इतने साल का किया करार

मैड्रिड ।
रियल मैड्रिड ने पिछले हफ्ते ही रिकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड ने प्रतिष्ठित वेम्बले स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बुंदेसलीगा के दिग्गज बोरुसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराया था।

आखिरकार फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे रियल मैड्रिड की टीम में शामिल हो गए। कई वर्षों से एम्बाप्पे के इस टीम से जुड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अब एम्बाप्पे ने स्पैनिश लीग ला लीगा की दिग्गज टीम के साथ पांच साल की डील साइन कर ली है। रियल मैड्रिड ने इसकी पुष्टि की। रियल मैड्रिड ने पिछले हफ्ते ही रिकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड ने प्रतिष्ठित वेम्बले

स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बुंदेसलीगा के दिग्गज बोरुसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराया था।

रियल मैड्रिड से खेलेंगे एम्बाप्पे

रिकॉर्ड 15वें चैंपियंस लीग ट्रॉफी को उठाने के दो दिन बाद रियल मैड्रिड ने फ्री ट्रांसफर पर एम्बाप्पे के अनुबंध की पुष्टि की। फ्रांस के पूर्व कप्तान ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ लॉस ब्लैंकोस में सात साल का समय बिताया है। अब वह अगले पांच सीजन तक रियल मैड्रिड टीम के लिए खेलते दिखेंगे। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने 10 मई को पीएसजी छोड़ने का एलान किया था। एम्बाप्पे जुलाई में रियल मैड्रिड टीम से जुड़ जाएंगे। पीएसजी के साथ उनका अनुबंध 30 जून को समाप्त हो गया था। रियल मैड्रिड की टीम अब उन्हें यूरो कप 2024 शुरू होने से पहले लॉन्च करेगी।

एम्बाप्पे ने पीएसजी में रहते हुए कई रिकॉर्ड बनाए

एम्बाप्पे ने 2018 में फ्रांस टीम के साथ फीफा विश्व कप जीता था। वहीं, पीएसजी के साथ वह छह लीग-1 खिताब और चार फ्रेंच कप जीते हैं। एम्बाप्पे ने क्लब के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया। फ्रेंच फॉरवर्ड पीएसजी के लिए 256 गोल किए। मैड्रिड में ट्रांसफर से पहले एम्बाप्पे केवल लीग-1 टीमों के साथ ही जुड़े रहे हैं। एम्बाप्पे ने सबसे पहले एएस मोनाको क्लब में शामिल हुए थे। एम्बाप्पे 2017 में 214 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कथित फीस के साथ मोनाको से पीएसजी में शामिल हो गए थे। इस डील के साथ वह पूर्व पीएसजी सुपरस्टार नेमार जूनियर के बाद दुनिया के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

मैड्रिड 2012 से एम्बाप्पे के पीछे पड़ा था

मैड्रिड ने दिसंबर 2012 में पहली बार एम्बाप्पे के बारे में जानकारी हासिल की थी। फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन की अकादमी में रहते हुए एम्बाप्पे को उस समय एक सप्ताह के लिए मैड्रिड में आमंत्रित किया गया था। क्लब के प्रशिक्षण स्थल पर इस युवा खिलाड़ी ने अपने आइकन जिनेदिन जिदान और क्रिस्टियानो रोनाल्डो से मुलाकात की थी। हालांकि, फ्रांस के इस स्टार को रियल मैड्रिड से जुड़ने में एक दशक से अधिक का समय लग गया। रियल मैड्रिड ने 2021 में भी एम्बाप्पे को साइन करने की कोशिश की थी। उन्होंने एम्बाप्पे के लिए 180 मिलियन यूरो का ऑफर भी दिया था, जिसे 2021 में पीएसजी ने खारिज कर दिया था।

एमबाप्पे को पेरिस ओलंपिक के लिए फ्रांस की टीम में जगह नहीं

एमबाप्पे पेरिस ओलंपिक में फ्रांस के लिए नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें थियेरी हेनरी की इन खेलों के लिए अस्थाई टीम में जगह नहीं मिली। विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे एमबाप्पे ने अपने देश में होने वाले ओलंपिक में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी। हेनरी और यहां तक कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी चाहते थे कि एमबाप्पे पुरुष ओलंपिक टीम का हिस्सा बनें, लेकिन उन्हें 25 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया।

दुपट्टे के साथ पहनें डबल पल्लू की साड़ी...

फैशन में आए दिन कुछ न कुछ बदलाव आते रहते हैं, लेकिन साड़ी पहनने का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता बल्कि उसके साथ किए गए बदलाव से आप अपने लुक को और भी अधिक स्टाइलिश और ड्रेसिंग बना सकती हैं। आप अगर अपनी साड़ी को दुपट्टे के साथ डबल पल्लू के साथ पहनती हैं तो इससे आपका लुक काफी आकर्षक बनता है। इसे घर पर पहनने के लिए आपको अपनी साड़ी से मिलते झुलते रंग के दुपट्टे की जरूरत नहीं है। आप पेयरप करने का नया तरीका भी अपना सकती हैं। यह आपकी साड़ी को दिलचस्प और नया लुक देगा। आप अपने दुपट्टे को अलग-अलग तरीके से ड्रेप कर सकती हैं। इसे आप गर्दन पर स्कार्फ के तौर पर भी पहन सकती हैं या फिर आप गर्दन पर ड्रेप करके इस दुपट्टे को दोनों कंधों से पीछे की तरफ कर सकती हैं। दुपट्टे को आप कमर के एक तरफ से टक इन कर लहंगे की तरह भी पहन सकती हैं। इस साड़ी को कॉम्प्लीमेंट करता हुआ ही दुपट्टा चुनें। अगर आपकी साड़ी प्लेन हो और दुपट्टा हल्का सा हैवी तो आप भीड़ में सबसे अलग दिखती हैं। इस दुपट्टा साड़ी को एक बार पहन कर अपने लुक को सबसे अलग बनाएं।

गर्मी में प्लेन साड़ी...

अगर आप डेली रूटीन में साड़ी ही वियर करती हैं तो गर्मियों में हल्के-छोटे प्रिंट्स या प्लेन साड़ी का चुनाव करें। क्योंकि मौसम में काफी बदलाव आ रहा है। ऐसे में छोटे प्रिंटस और प्लेन साड़ी काफी स्टाइलिश लगती हैं जो आपको एलीगेंट-स्टनिंग लुक देती है। कुछ लोगों को कॉटन फैब्रिक साड़ियां खूब पसंद आती है। यह काफी आरामदायक होती हैं। गर्मियों के हिसाब से यह बेस्ट रहती हैं लेकिन अगर आप पार्टी फंक्शन या शादी पर जाती हैं तो खुद को थोड़ा हटके और इम्प्रैसिव लुक देने की जरूरत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप भड़कीली-चमकीली कपड़ों को चयन करें जो आपको पहनने में भी कंफर्टेबल न हो। प्लेन साड़ी को भी आप स्टाइलिश तरीके से वियर करके पार्टी लुक दे सकते हैं। बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो साड़ी के लिए डार्क क्लर्स का चयन करते हैं लेकिन लाइट कलर भी बहुत अच्छे लगते हैं। हल्के रंग को लेकर ज्यादातर लोगों की सोच यह है कि ये रंग काफी बोरिंग हैं। गर्मियों के मौसम में हल्के फ्लोरल कलर ज्यादा खूबसूरत लगते हैं ऐसे कपड़ों में गर्मी का एहसास कम होता है।

आपको बीमार बना रहा है प्लास्टिक

पहले के जमाने में लोग पीतल या तांबे के बर्तनों में पानी पिया करते थे। उनका मानना था कि इससे बीमारियां उनसे कोसों दूर भाग जाती हैं। लेकिन आज उन तांबे और पीतल के बर्तनों की जगह प्लास्टिक ने ले ली है। खाने के बर्तनों से लेकर पीने के पानी की बोतल तक सभी जगह प्लास्टिक ही प्लास्टिक दिखता है। प्लास्टिक हमारे जीवन में इस कदर घर कर चुका है, जो दिनों-दिन हमें बीमार कर रहा है।

मोटापे को देता है बुलावा

इसका कारण है प्लास्टिक की बनी पानी की बोतलों में प्रयोग होने वाला एक रसायन जोकि हमारे दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली बोतल, धातु युक्त भोजन के डिब्बे और थर्मल रसीद पेपर जैसे उत्पादों में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला रसायन है। शोध में पाया गया कि प्लास्टिक की बोतल के पानी के प्रयोग से बच्चों के शरीर में फैट सैल्स काफी जल्दी बढ़ जाता हैं, जिससे लंबे समय तक वे मोटापे का शिकार रहते हैं।

इन बीमारियों को देता है जन्म

खास बात ये है कि यह अस्थमा, टैंशन, डिप्रैशन, डायबिटीज और लड़कियों के जल्दी किशोर होने जैसे कारणों के लिए भी इस रसायन को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनका उपयोग प्लास्टिक में होता है। इसलिए अगर आप अपने शरीर को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं, तो प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें। आप गर्म खाने और पीने की चीजों को रखने के लिए स्टील के बर्तन और ग्लास का उपयोग करें। आप जितनी जल्दी प्लास्टिक को खुद से दूर करेंगे, उतनी ही जल्दी आप बीमारियों को अलविदा कहेंगे।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा

अगर आप अभी भी प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीते हैं, तो सावधान हो जाइए। क्योंकि प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर अब एक नया खतरा सामने आया है। प्लास्टिक को लेकर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो गर्भवती महिलाएं बोतल के पानी का इस्तेमाल करती हैं या हमेशा बोतल के पानी का सेवन करती हैं, उनके बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

गुजरे हुए वक्त की बात करें तो बीता हुआ पल कभी दुबारा लौटकर नहीं आता पर फैशन का दौर समय के अनुसार बदलता रहता है। आज के समय में एकबार फिर ट्रेंड में है बेलबॉटम जो कभी पुरानी अभिनेत्रियों के बीच देखा जाता था। 70 के दशक के समय का यह फैशन अब बाजार में काफी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राय किए होंगे। लेकिन अब उनसे आपका दिल भर गया हो तो बैलबॉटम को ट्राई करें। बेलबॉटम अब आपको जींस के फैब्रिक में भी मिलेंगे, जिससे आपको रिफ्रेश फील होगा।

फिर लौट आए

बेलबॉटम...

70वीं सदी के गाने आपको याद ही होगें जिनमें हीरोइन लंबा सा बेलबॉटम पहनती थी। दोबारा से बेलबॉटम फैशन इन हैं। सेलिब्रिटी से लेकर कॉलेज गोइंग गर्ल्स और महिलाएं भी इसे पहनना पसंद कर रही हैं। फैशन डिजाइनर्स के अनुसार पुराना फैशन ही लेटेस्ट फैशन बनकर आता है, बस उसके पैटर्न , डिजाइन, कलर्स में ही अंतर हो जाता है। वैसे इस साल ये लेटेस्ट ट्रेंड के रूप में उभर रहा है। बैलबॉटम की खास बात यह है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। स्लिम बॉडी पर ये काफी अच्छा दिखता है, लेकिन हैवी वेट वाले लोगों पर भी ये काफी सूट होगा। इसलिए हर फिगर की महिलाएं इसे बिना संकोच ट्राय कर सकती हैं। बेलबॉटम को पहनने से शरीर का लुक काफी अच्छा दिखने लगता है। इसे अगर छोटे कद वाले लोग पहनते हैं तो उनकी लंबाई काफी अच्छी दिखती है।

फ्लो वाइट शर्ट के साथ

बेलबॉटम जींस का प्रयोग करते समय इसके साथ मैच करते हुए टॉप या शर्ट को पहनें या फिर इसके साथ और अच्छा लुक पाने के लिए आप फ्लो वाइट शर्ट को पहनकर आप एकदम परफेक्ट लुक पा सकती हैं। इसको पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ फ्राइडे लुक या फिर शनिवार की ऑफिस पार्टी का मजा ले सकती हैं।

फुटवेयर में चंकी हील्स

बेलबॉटम जींस टाइट न होकर नीचे की ओर फैली हुई होती है। इसलिए इसके साथ हाई हील्स काफी अच्छा लुक देती हैं। इसके अलावा बेलबॉटम जींस के साथ पहनने के लिये आप अलग-अलग स्टाइल की हील्स के फुटवेयर ले सकती हैं।

कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स

बेलबॉटम जींस की ऐसी डिजाइन जो काफी समय से चली आ रही है जिसे पहन कर लोग कंफर्टेबल फील तो करते ही हैं, साथ ही इसका लुक भी काफी अच्छा नजर आता है। इसके लिये आपको बाजार में एक से एक डिजाइन के कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स आसानी से मिल सकते हैं। जिन्हें पहनकर आप ऑफिस या किसी मीटिंग में आराम से जा सकती हैं।

बेल-बॉटम डंगरीज

जींस में मिलने वाले डिजाइनों में डंगरीज को पहनना बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। ये पहनने के बाद आपके लुक में और अच्छा निखार आता है। बेलबॉटम डंगरीज को पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ होने वाली पार्टी के दौरान अच्छा लुक पा सकती हैं।

क्रॉप टॉप से परफेक्ट लुक

शॉपिंग पर जाने का प्लान हो तो आप अपनी बेलबॉटम जींस को पहन सकती हैं। यदि आप अपनी बॉडी को परफेक्ट लुक देना चाहती हैं तो बेलबॉटम पैंट्स के साथ क्रॉप टॉप काफी अच्छा लुक प्रदान करेगा। इसके अलावा आप मल्टी कलर के बेलबॉटम का चयन कर इसमें प्लेन टॉप को मैच कर पहन सकती हैं।

स्पोर्टी लुक के लिए

व्हाइट स्नीकर्स और टेनिस शूज आजकल फैशन में हैं। अगर आप पिकनिक पर जाने के लिए या फिर स्पोर्ट लुक की तैयारी कर रही हैं तो इन्हें बेलबॉटम जींस पर एक बार ट्राई जरूर करें।

क्यों पहनें बेलबॉटम

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे। लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

सॉफ्ट और हलके: जींस का वजन होता है। लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े के होते हैं आपको उन्हें पहनने में अच्छा लगेगा। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हेवी नहीं होते हैं।

हाईट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाईट वाले की लंबाई भी अचछी लगती है क्योंकि टांगे लंबी जान पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप बेलबॉटम पहनें तो शायद कुछ मजा आएं।

फीगर अच्छा लगता है: बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर अच्छी तरह समझ में आता है और बदन सुंदर लगता है।

पतला दिखना लगना: बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

इस मौसम में कूल ड्रेसेज...

आज के समय की युवा पीढ़ी फंक्शन और पार्टी के दौरान लेटेस्ट कपड़ों को पहनना ज्यादा पसंद करती है, क्योंकि इससे लुक तो सुंदर दिखता ही है साथ ही वो लोगों के बीच अलग और खास भी दिखाई देते हैं। इसी के चलते हर कोई अपने आप को कुछ खास और अलग अंदाज में दिखाना ही पसंद करता है और अपने कपड़ों का चयन आज की मॉर्डन स्टाइल को देखते हुए करता है। इन दिनों बाजार में गर्मी के मौसम के अनुसार ड्रेस छाए हुए हैं। सुंदर व आकर्षक लुक में मिल रहे लॉन्ग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके साथ ही सिल्वर और गोल्डन कलर से बनी ड्रेसेज को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी ही लेटेस्ट ड्रेसेज के बारे में।

लॉन्ग टॉप: इस प्रकार के कपड़ों से शरीर की खूबसूरती तो बढ़ती ही है, दिखने में भी ये बहुत सुंदर लगते हैं। ये ज्यादातर लंबी युवतियों पर ज्यादा ही खूबसूरत लगते हैं, लेकिन इसे सभी युवतियां खास अंदाज के साथ पहन सकती हैं। ये हमेशा ही डीप लेंथ का होता है। आप इसे किसी स्पेशल प्रोग्राम में लेगिंग्स या फिर जींस के साथ मैच कर पहन सकती हैं। यदि आप मलमल कॉटन से बनाया गया लॉन्ग टॉप पहनती हैं तो ये रात में इसका लुक काफी अच्छा दिखता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स: इन दिनों मार्केट में मक्खी नेट शॉर्ट्स का चलन काफी बढ़ता दिख रहा है। इस प्रकार के कपड़े काफी कूल और डिफरेंट दिखाई देते हैं। नेट शॉर्ट्स को पहनना बहुत ही अरामदायक है।

शॉर्ट मिडी: गर्मियों के आते ही बाजार में शॉर्ट मिडी का फैशन काफी तेजी के साथ बढ़ता नजर आता है। इसे आप लेगिंग्स या फिर वन पीस ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं। अगर आप इसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ पहनती हैं तो ये आपको ज्यादा आरामदायक लगेगा।

वेल्वेट ड्रेस: आजकल हर पार्टी के लिए पहली पसंद लाइक्रा और वेलवेट ड्रेसेस बनती जा रही हैं। इन पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है। बाजार में इवनिंग गाउन से लेकर वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स और ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में भी उपलब्ध हैं।

डिफरेंट स्टाइल टॉप्स: अगर आप समर सीजन में लांग कुर्ते, टी-शर्ट्स, सैंडो, टूनिक्स पहन कर बोर हो गई तो इस बार डिफरैंट स्टाइल टॉप्स को अपनी वॉर्डरोब में शामिल करें। समर सीजन ऑफ शोल्डर टॉप में युवतियां काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। इसे आप कॉटन, शिफॉन, क्रेप, जार्जट फैब्रिक में खरीद सकते हैं। वैसे तो यह टॉप प्लेन में भी अच्छे लगते हैं और फ्लेयरी फ्रील स्टाइल में भी। कलर लाइट हो या डार्क, प्रिंटेड हो या प्लेन, ऑफ शोल्डर टॉप की अपनी ही एक अलग ग्रैस होती है। इन्हें आप शॉर्ट निकर, स्कर्ट, डेनिम किसी के साथ भी मैच करके पहन सकते हैं लेकिन इन दिनों ऑफ शोल्डर के साथ फ्लेयर्ड पेंट ट्रैंड में हैं। समर पार्टी में आपको स्टाइलिश के साथ-साथ कूल लुक भी चाहिए तो ऐसी ड्रैस बेस्ट ऑप्शन में आती हैं। अगर आप किसी बीच के आस-पास किसी वैकेशन ट्रिप पर जा रहे हैं तो तो ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ हाई वेस्ट फ्लेयर्ड पेंट आपको एक दम परफैक्ट बीच स्टाइल लुक देती हैं। इसके साथ आप बालों को लूज भी छोड़ सकते हैं और रफ-टफ लुक में हाई बन भी कर सकते हैं।

युवाओं पर भी छाया, हृदय रोगों का साया

धूम्रपान की धुन सवार

आज के कई युवाओं में धूम्रपान की धुन सवार होती दिखती है। उनके लिए यह अब एक फैशन स्टेटमेंट बन गया है। एक तल के रूप में धूम्रपान के बुरे प्रभाव न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी दर्ज किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करीब 1.1 बिलियन लोग धूम्रपान करते हैं, जिसमें एक-तिहाई 16 साल की उम्र के हैं। धूम्रपान के दुष्प्रभाव के बारे में डॉक्टर कहते हैं, पेशेवर लोग धूम्रपान इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनका तनाव दूर होता है, लेकिन वह उस तथ्य कि अनदेखी कर रहे हैं, जिससे सामने आया है कि यह उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सिगरेट में निकोटिन और टार जैसे हानिकारक तत्व होते हैं और कार्बन मोनोआक्साइड दिल के तबाह कर देने के लिए काफी है।

एक अध्ययन चौंकाने के लिए काफी है। अध्ययन दर्शाता है कि युवाओं में उच्च रक्तचाप, मोटापा और दिल संबंधी बीमारियों की दर तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से महानगरों में रहने वाले युवा इसके चपेट में तेजी से आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार महानगरों में रहने वाले युवाओं की गतिहीन जीवनशैली, वसायुक्त भोजन और शराब का बढ़ता सेवन इसके लिए उत्तरदायी है जिसकी वजह से युवाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं। शोध दर्शाते हैं कि ऐसे मामलों में महानगरीय युवाओं की हालत चिंताजनक है। तेज रफ्तार जिंदगी में आगे बढ़ने की होड़, खान-पान में फास्ट फूड की बहुतायत, धूम्रपान की लत और शराब सेवन की वजह से युवाओं में दिल संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

स्ट्रेस से बढ़ा 10 से 15 फीसदी खतरा

काम के दौरान पैदा होने वाला तनाव और थकन तथा बदलती जीवनशैली कोरोनरी हार्ट डिजीज (सीएचडी) का एक बड़ा कारण है। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ किसी भी कार्य की डेडलाइन्स और दबाव के साथ पैदा होने वाली समस्याएं ही युवाओं को इसके शुरुआती स्तर की ओर धकेल रही हैं। नौकरी के साथ ही इन चीजों की शुरुआत तेजी से होने लगती है, जो चिंता का गहन विषय है। छोटे-छोटे कार्यों में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। वर्क कल्चर तेजी से बदला है। इसकी वजह से हृदय रोग संबंधी शिकायतों का खतरा 10-15 फीसदी बढ़ गया है।

आज बच्चों को बचपन से ही गतिहीन जीवनशैली का सामना करना पड़ रहा है। व्यायाम के लिए समय नहीं है, जिससे आनुवांशिक विकार बढ़ रहे हैं। साथ में तेजी से बदलता खानपान, वसा की कमी आदि कारणों के चलते ही युवाओं में दिल की बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। हमारा आहार, श्रमहीन जीवन व स्ट्रेस जैसी चीजें हार्ट अटैक के रूप में सामने आती हैं। लम्बे समय तक तनाव में रहने या तनावपूर्ण कार्यस्थितियों में काम करने के कारण एड्रिनल और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ जाता है और इससे ब्लडप्रेशर बढ़ने, हृदय की रक्त नलियों में रक्त के थक्के बनने और दिल के दौरे पड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं।

दिल की सलामती के लिए

- कम-से-कम रोज 45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करें यानी तेज चलें। डाइट पर कंट्रोल रखें।
- खाने में ऐसा तेल इस्तेमाल करें जो जमे नहीं। इसके नसों में जमने से खून के प्रवाह में रुकावट आती है। ऑलिव ऑयल व सफोला में कम कोलेस्ट्रॉल होता है।
- सिगरेट पीने वालों में हार्ट अटैक के चांस ज्यादा होते हैं। नियमित योग करना और ध्यान लगाना चाहिए। इससे नसें रिलैक्स हो जाती हैं और हृदय को कम नुकसान पहुंचता है। जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो उन्हें अपना पूरा चेकअप कराते रहना चाहिए।
- हृदय रोगियों के लिए लाफिंग थेरेपी भी कारगर साबित होती है क्योंकि हंसने से अन्य अंगों के साथ हृदय की भी कसरत होती है।

ध्यान दें: डायबिटीज के मरीजों में एंजाइना का कोई लक्षण प्रकट नहीं होता। शरीर की ओर से कोई वार्निंग नहीं मिलती। उनकी नसें डायबिटीज के कारण सुन्न हो जाती हैं। ऐसे लोगों को हमेशा अपना चेकअप कराना चाहिए।

किसको खतरा अधिक

ऐसे युवाओं में जिनके माता-पिता को दिल की समस्या रही हो उनमें यह समस्या छोटी आयु में ही उभरने की संभावना रह सकती है। यानी यदि 30 साल की उम्र के बाद मेडिकल तौर पर इसकी आशंका जताई गई है तो ऐसे युवाओं को 20 साल की उम्र में भी यह समस्या हो सकती है।

ब्लड प्रेशर

130/85 से ज्यादा होना ठीक नहीं। खून में गाढ़ापन आने के कारण हृदय की धमनियों में थक्के जमने से हार्ट की समस्या बढ़ती है। बिगड़ी हुई जीवनशैली के कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं और तनाव से तुरंत निजात पाने के लिए स्मोकिंग और एल्कोहल का सहारा लेते हैं। धीरे-धीरे ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने के बाद हृदय संबंधी बीमारियां जन्म ले लेती हैं और पता नहीं चलता।

लाइफ स्टाइल से बढ़ा, हाई रिस्क फैक्टर

- दिल संबंधी बीमारियों के मामले में भारत नंबर एक पर है, जिसकी 10 फीसदी आबादी दिल के रोगों से ग्रस्त है जबकि यूरोप और अमेरिका दूसरे स्थान (7 फीसदी ग्रस्त) पर हैं और चीन में यह दर 4 फीसदी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2015 तक भारत में हृदय संबंधी बीमारियां सबसे बड़ी बीमारी के रूप में सामने आने वाली है।
- भारत में 5 करोड़ लोग दिल संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं और इस वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा दोगुना हो सकता है।
- युवा कामकाजी लोगों में यह शिकायत सबसे अधिक पाई जा रही है यानी 10 में से एक में और जिनकी औसत आयु है 30 वर्ष।
- देश में युवाओं में हार्ट अटैक की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो वैश्विक दर के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा है। ऐसे मामलों की शुरुआत अब 20 साल के युवाओं में भी होने के आसार हैं।
- भारत में होने वाली 10 मौतों में से 1 हार्ट अटैक की वजह से हो रही है।
- पिछले एक दशक में खासतौर से युवा कामकाजी लोगों में सीएडी की दर 17.5 से 35 फीसदी की ओर तेजी से बढ़ी है यानी यह दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है।
- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक 13 फीसदी महिलाओं और 9 फीसदी पुरुष मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। कमर की चौड़ाई के साथ मेटाबॉलिक रोग बढ़ने लगता है इसलिए ध्यान रखें कि शरीर में पाए जाने वाले सेल्स हमेशा ऊर्जा प्रदान करने वाले नहीं होते।

क्या कहता है सर्वे

दस-बारह वर्ष पूर्व तक लोग यह सोचते थे कि हिन्दुस्तान में हृदय रोग यानी हार्ट की नलियों में रुकावट की समस्या पूरी दुनिया की तुलना में कम है। पर तमाम अध्ययनों और शोधों में यह पता चला है कि पश्चिमी मुल्कों की तुलना में भारत में 2-3 प्रतिशत ज्यादा लोग हृदय रोगों से पीड़ित हैं। निस्संदेह यह बहुत चिंता का विषय है। वास्तव में भारतवासियों में कोरोनरी हृदय संबंधी रोग की दर खासतौर से युवाओं में, पश्चिमी देशों के मुकाबले तकरीबन तीन गुना ज्यादा पाई जाने लगी है।

बीमारी बढ़ती है स्टेप बाई स्टेप

शहरी लोगों में शारीरिक श्रम की आदत कम पड़ती दिख रही है। अधिकांश लोग गाड़ी पर चलते हैं, बिल्डिंगों में लिफ्ट लगी हैं। पैदल चलना-फिरना तो लगभग है ही नहीं। अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि उन्हें हृदय रोग है। वे इसे गैस बनने या किसी अन्य समस्या के रूप में ही देखते हैं, लेकिन यह जानने के लिए कि कहीं कोई समस्या तो नहीं आ रही, इसे तीन रूपों में समझा जा सकता है।

स्टेप-1: इसमें हृदय रोग की शुरुआत तो हो गई है, पर रोगी को पता नहीं चला। उसे कोई नुकसान भी नहीं हुआ।

स्टेप-2: कोई काम करते वक्त झुंझलाहट हो, गुस्सा आए या भाग-दौड़ करने पर छाती पर दबाव व जलन महसूस हो, तो यह एंजाइना हो सकता है। जब कभी ऐसे लक्षण महसूस हों तो सचेत हो जाएं और फौरन चेकअप कराएं।

स्टेप-3: यह सबसे खतरनाक है और हार्ट अटैक के रूप में सामने आता है। इसमें मरीज को पता ही नहीं होता कि एंजाइना का कारण था या पता होने पर भी उसने अनदेखा कर दिया था। ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है जिसमें आदमी की जान भी जा सकती है। इसमें 10 प्रतिशत मामले अस्पताल भी ही नहीं पहुंच पाते। इसलिए बहुत सावधान रहना चाहिए। यदि छाती में दर्द हो रहा है तो अस्पताल जाने में देर न करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**